संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-117 ■ रायपुर, गुरुवार 24 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : त्रयोदशी
नक्षत्र : धनिष्ठा
प्रथम करण : कौवाला
द्वितीय करण : तैतिल
पक्ष : शुक्ल
वार : गुरुवार
योग : धृति
सूर्योदय : 06:10
सूर्यास्त : 18:08
चंद्रमा : कुंभ राशि में
राहुकाल : 13:39 - 15:09
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : भाद्रपद
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:45 - 12:33

सपा ने विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को हटाया

लखनऊ: समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को पद से हटा दिया है। अब सपा नेता जासमीन अंसारी उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष होंगे। इससे पहले वे सदन में उपनेता थे। अंसारी सीतापुर के रहने वाले हैं। सपा ने लाल बिहारी यादव को जुलाई 2024 में नेता प्रतिपक्ष बनाया था। वह आजमगढ़ के रहने वाले हैं। उनका कार्यकाल इसी साल नवंबर तक ही है। ऐसे में सपा ने चुनाव से पहले बड़ा बदलाव किया है। पिछले दिनों लाल बिहारी यादव के बयान को लेकर विवाद हो गया था। जिसमें वे सपा कार्यकर्ताओं से कहते दिख रहे थे कि अगर अखिलेश यादव कुत्ते के गले में घंटी बांधकर भेज दें तो वोट उसी को देना है। इस बयान पर बीजेपी और एनडीए के सहयोगी दल सपा के खिलाफ हमलावर हो गए थे।

एसआईआर पर खुलासे पर चुनाव आयोग की सफाई-विचारों का मतभेद सामान्य बात



नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय होना निर्णय लेने की सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है। मीडिया रिपोर्ट के बाद आयोग ने कहा कि उसके सभी फैसले कानूनी नियमों के तहत सर्वसम्मति या बहुमत से लिए जाते हैं। आयोग के अनुसार आंतरिक टिप्पणियों और सुझावों का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुधार सुनिश्चित करना है। भारत के चुनाव आयोग ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि चुनाव आयोग के भीतर विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय होना एक सामान्य बात है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके फैसले या तो सर्वसम्मति से या बहुमत से लिए जाते हैं। यह बयान 'इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया था कि दो चुनाव आयुक्तों ने 10 महीनों में चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार आपत्तियां जताई थीं। जिनमें 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (SIR) से जुड़े मुद्दे भी शामिल थे।

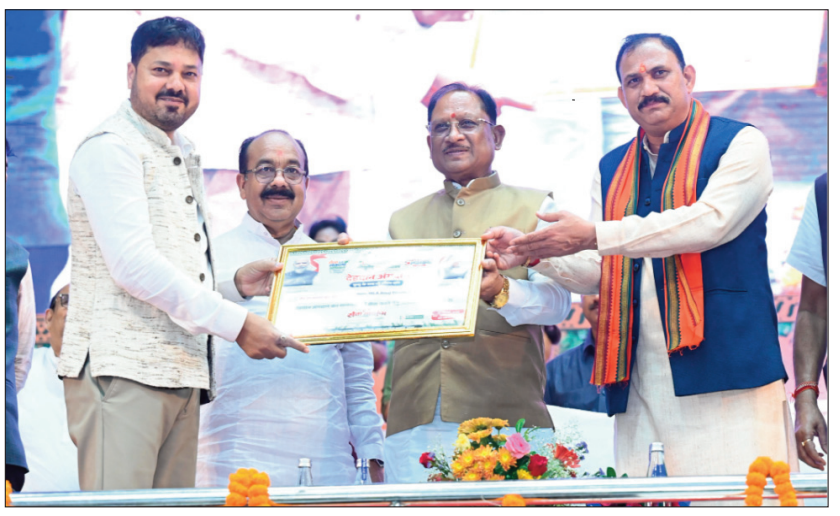
ECI एक संवैधानिक संस्था है जो संविधान के अनुच्छेद 324, कानूनी नियमों और स्थापित संस्थागत परंपराओं के सख्त नियमों के तहत काम करती है। आयोग एक बहु-सदस्यीय संवैधानिक संस्था के रूप में काम करता है।

सेवा संकल्प अभियान : आयुर्वेद सेवा सम्मेलन, रक्तदान महाकुंभ एवं वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर में शामिल हुए मुख्यमंत्री

आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर : सीएम साय

एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की ऐतिहासिक पहल गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

रायपुर ■ दैनन्दिनी



रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाकर उसके परिवार के लिए नई उम्मीद बन सकता है। आज बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों का रक्तदान, देहदान और अंगदान के लिए आगे आना सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व की प्रेरणादायी मिसाल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन, रक्तदान महाकुंभ एवं वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर को संबोधित करते समय यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं दीं और रक्तदान, देहदान एवं अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों के सेवा भाव की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा और जनकल्याण के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सेवा का यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ रहा है। रक्तदान से लेकर जरूरतमंद बच्चों के लिए पुस्तक, खिलौने और स्टेशनरी एकत्रित करने तक अनेक गतिविधियां इस अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन और रक्तदान महाकुंभ इसी सेवा भावना का सशक्त उदाहरण है। विशेष रूप से इतनी बड़ी संख्या में माताओं-बहनों का रक्तदान के लिए आगे आना अत्यंत प्रेरणादायी है। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की है। इस ऐतिहासिक पहल का गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की पहल ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

रक्तदान महाकुंभ में सेवा और जनभागीदारी की ऐतिहासिक तस्वीर देखने को मिली। आयोजन के लिए 3600 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान हेतु पंजीयन कराया था और रक्तदान के लिए 200 बेड की व्यवस्था की गई। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की पहल को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को इस उपलब्धि का प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर सभी रक्तदाताओं को बधाई देते हुए कहा कि रक्तदान का महत्व केवल आंकड़ों या रिकॉर्ड तक सीमित नहीं है। रक्त की प्रत्येक यूनिट किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन की नई आशा है। रक्तदान के लिए आगे आने वाला प्रत्येक व्यक्ति मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान देता है।



रक्तदान महाकुंभ में महिला एवं पुरुषों की बड़ी भागीदारी रही। आयोजन में लगभग 2500 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति बढ़ती जागरूकता और युवाओं तथा महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी सेवा के संस्कारों को और मजबूत करती है।

देहदान और अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च उदाहरण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत देहदान और अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों की विशेष सराहना की। कार्यक्रम में 31 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया, जिनमें पद्मश्री एवं धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा भी शामिल रहे। प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत अब तक 103 लोगों द्वारा देहदान का संकल्प लिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के बाद भी किसी के काम आने का संकल्प मानव सेवा की अत्यंत प्रेरणादायी भावना है। देहदान चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, वहीं अंगदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने इस पुनीत संकल्प से जुड़ने वाले सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं।

आयुर्वेद हमारी समृद्ध ज्ञान परंपरा की अमूल्य विरासत

मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। भगवान धन्वंतरि और चरक-सुश्रुत जैसे महान आचार्यों ने हजारों वर्ष पूर्व स्वस्थ जीवन और चिकित्सा की जिस समृद्ध परंपरा को विकसित किया, वह आज भी मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुर्वेद, योग और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। आयुष मंत्रालय के माध्यम से आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। आरोग्य मंदिर और वेलनेस सेंटर के माध्यम से उपचार के साथ-साथ रोगों की रोकथाम, स्वस्थ जीवनशैली और समग्र स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी स्वस्थ और सशक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के साथ आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

सेवा संकल्प अभियान में रक्तदान के साथ जरूरतमंद बच्चों के लिए भी पहल

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रक्तदान और स्वास्थ्य जांच के साथ जरूरतमंद बच्चों के लिए पुस्तक, खिलौने और स्टेशनरी एकत्रित करने की विशेष पहल भी की गई। आयोजन स्थल पर बुक कलेक्शन, टॉय कलेक्शन और स्टेशनरी कलेक्शन के लिए अलग-अलग केंद्र बनाए गए थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेवा का अर्थ केवल किसी एक क्षेत्र में सहयोग करना नहीं, बल्कि समाज में जहां आवश्यकता हो, वहां संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़कर सहयोग करना है। बच्चों तक पुस्तकें, खिलौने और अध्ययन सामग्री पहुंचाने की यह पहल उनके चेहरे पर मुस्कान लाने के साथ उनकी शिक्षा और विकास में भी उपयोगी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर सेवा संकल्प अभियान की विभिन्न गतिविधियों तथा आयुर्वेद से जुड़े स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने आयोजकों और प्रतिभागियों से चर्चा कर विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली तथा सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रदेश में तेजी से मजबूत हो रही स्वास्थ्य अधोसंरचना : स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित रक्तदान महाकुंभ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लगभग 2500 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया। उन्होंने कहा कि रक्तदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है और इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों का स्वेच्छा से आगे आना समाज में सेवा भावना की मजबूती को दर्शाता है।

28 राज्यों में बीजेपी ने घोषित किए नए प्रभारी

स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा की कमान

नई दिल्ली ■ एजेंसी



भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक फेरबदल करते हुए 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रभारी नियुक्त किए हैं। इसके तहत स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ व हरियाणा और विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी मिली है। साथ ही पार्टी की केंद्रीय टीम में भी राष्ट्रीय पदाधिकारियों के स्तर पर अहम बदलाव हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को संगठनात्मक फेरबदल के तहत 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए। इन नियुक्तियों की घोषणा बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने की और कई वरिष्ठ नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपीं। पार्टी द्वारा जारी सूची के अनुसार, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि हरीश द्विवेदी को बिहार का प्रभारी बनाया गया है। विनोद तावड़े को पार्टी का उत्तर प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि जगदीश पटेल, मेधा कुलकर्णी, प्रदीप वर्मा और आनंद को सह-प्रभारी बनाया गया है। राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड का प्रभारी नियुक्त किया गया है। तरुण चुघ को गुजरात का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि सतीश पूनिया जम्मू-कश्मीर और पंजाब का कामकाज देखेंगे। अनिल एंटनी को गोवा और नागालैंड का प्रभारी नियुक्त किया गया है। संजय भाटिया को राजस्थान का बीजेपी प्रभारी नियुक्त किया गया है, साथ ही कविता पाटीदार और कुलजीत चहल को सह-प्रभारी बनाया गया है। विनय सहस्त्रबुद्धे को बीजेपी की दिल्ली इकाई का प्रभारी नियुक्त किया गया है, और जामयांग नामग्याल तथा दर्शना जरदोश को सह-प्रभारी बनाया गया है।

स्मृति ईरानी बनीं महासचिव

इससे पहले अगस्त में, भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में संगठन में बड़ा फेरबदल किया था। पार्टी की नई केंद्रीय टीम में अनुभवी नेताओं और अहम राजनीतिक चेहरों को शामिल किया गया। नई संगठनात्मक टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आठ राष्ट्रीय महासचिव, 16 मोर्चा अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। यह नई टीम नबीन के BJP राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर काम करने की दिशा में एक अहम कदम है और इससे पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर एक नया संगठनात्मक ढांचा मिला है। नई टीम में प्रमुख नामों में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और वरिष्ठ नेता राम माधव शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को नई संगठनात्मक व्यवस्था में राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। नबीन ने BJP की नई संगठनात्मक टीम में वसुंधरा राजे, बैजयंत जय पांडा, रेखा वर्मा और तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर बरकरार रखा है। साथ ही, कई प्रमुख नेताओं को नई उपाध्यक्ष टीम में शामिल नहीं किया गया है।

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत, खेत मालिक गिरफ्तार

तखतपुर। धान की फसल की रखवाली करने खेत गए किसान की करंट की चपेट में आने से हुई मौत मामले में तखतपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खेत मालिक बड़े गुड्डू उर्फ दिलहरन सूर्यवंशी को आरोपी बनाया है। घटना के बाद से आरोपी फरार था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामला तखतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चना डोंगरी का है। बताया जा रहा कि किसान गंगाराम कोल धान की फसल की रखवाली करने के लिए खेत गया था। इसी दौरान खेत में लगाए गए विद्युत तार की चपेट में आने से वह करंट से झुलस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार फसल को आवारा मवेशियों से बचाने के लिए खेत में विद्युत तार लगाए गए थे। आरोप है कि खेत में अवैध रूप से बिजली कनेक्शन लेकर करंट प्रवाहित किया जा रहा था।

महिलाओं पर गिरी आकाशीय बिजली एक की मौत, दो गंभीर

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रही एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के पथराटोला गांव में हुआ। जानकारी के मुताबिक, महिलाएं खेत में काम कर रही थीं। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से तीन महिलाएं इसकी चपेट में आ गईं। हादसे में अनुसुइया बाई (40 वर्ष) पति ज्योति राम मसिया की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, क्लेन्द्री बाई (42 वर्ष) पति जगन्नाथ पिस्दा और रामेश्वरी सहारे (35 वर्ष) पति दिलबर सहारे गंभीर रूप से घायल हुई हैं। दोनों घायल महिलाओं को उपचार के लिए दल्लीराजहरा स्थित ज्योति हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही दल्लीराजहरा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मंत्रालय के कर्मचारियों को ले जा रही बस में लगी भीषण आग

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां मंत्रालय के कर्मचारियों को ले जा रही बस में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। यह मामला राखी थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम मंत्रालय कर्मचारियों की छुट्टी के बाद बस क्रमांक 3073 सभी कर्मचारियों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान अचानक बस में आग लग गई। वाहन में आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। अच्छी बात यह रही कि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, आग कैसे लगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं इस घटना को लेकर मंत्रालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष चंद्रकांत पाण्डेय ने बताया कि आज शाम कर्मचारियों को लेकर लौट रही बस में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि सभी कर्मचारियों को सुरक्षित सकुशल उतार लिया गया। संघ ने बताया कि बस के मेंटेनेंस को लेकर कई बार रजिस्ट्रार शाखा के अधिकारियों से मुलाकात की गई, इसके बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया। इस संबंध में कल मुख्य सचिव, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग से मिलकर सभी समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। अगर इसका समाधान नहीं होता है तो सड़क की लड़ाई लड़ी जाएगी।

धान की खेती के क्षेत्रफल के सटीक आंकलन एवं सत्यापन के लिए खाद्य संचालनालय और CGCOST के बीच एमओयू

सैटेलाइट इमेजरी, रिमोट सेंसिंग और GIS तकनीक से होगा धान के रकबे का वैज्ञानिक आंकलन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में धान की खेती के क्षेत्रफल के सटीक, वैज्ञानिक एवं तकनीक आधारित आकलन की दिशा में राज्य शासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (CGCOST) के मध्य आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अंतर्गत प्रदेश में सैटेलाइट इमेजरी, रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर धान की खेती के क्षेत्रफल की मैपिंग और सत्यापन किया जाएगा।इस अवसर पर प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री सोनमणि बोरा, सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग डॉ. फरिहा आलम तथा संचालक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (CGCOST) श्री कवीश्वर उपस्थित थे।



इस समझौते का उद्देश्य प्रदेश में धान की खेती के वास्तविक क्षेत्रफल के आकलन को अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाना है। तकनीक आधारित इस व्यवस्था से भू-अभिलेखों, डिजिटल क्रॉप सर्वे और सैटेलाइट आधारित फसल सत्यापन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। इससे धान उपार्जन से संबंधित प्रक्रियाओं में डेटा की शुद्धता बढ़ाने के साथ ही पारदर्शिता को और मजबूत करने में सहायता मिलेगी।

FRA एवं डुबान क्षेत्रों की तैयार होगी GIS आधारित डिजिटल मैपिंग

समझौते के अंतर्गत विशेष रूप से वन अधिकार अधिनियम (FRA) तथा डुबान क्षेत्रों में स्थित ऐसे कृषि भू-भागों की पहचान एवं मैपिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिनका विवरण वर्तमान में जियो-रेफरेंस्ड स्वरूप में उपलब्ध नहीं है। ऐसे कृषि क्षेत्रों की GIS आधारित पॉलीगॉन लेयर तैयार की जाएगी, जिससे संबंधित भू-भाग की डिजिटल भौगोलिक पहचान सुनिश्चित हो सकेगी।

इन क्षेत्रों में सैटेलाइट इमेजरी एवं रिमोट सेंसिंग तकनीक के माध्यम से धान की खेती वाले क्षेत्रफल का आकलन किया जाएगा। इससे ऐसे क्षेत्रों में भी फसल की वास्तविक स्थिति और कृषि रकबे के संबंध में अधिक सटीक भू-स्थानिक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी, जहां पारंपरिक भू-अभिलेखों के आधार पर डिजिटल सत्यापन में व्यावहारिक कठिनाइयां आती रही हैं।

'बिग बॉस-20' ने रचा नया स्ट्रीमिंग रिकॉर्ड, एक हफ्ते में 2 करोड़ व्यूज के साथ बनाया इतिहास



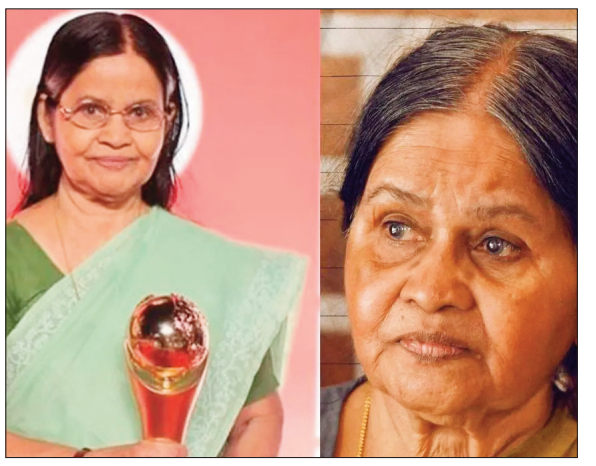
मुंबई (एजेंसी)। एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा निर्मित 'बिग बॉस हिंदी' का 20वां सीजन 6 सितंबर को प्रीमियर हुआ और पहले ही दिन से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। जियो हॉटस्टार पर डिजिटल स्ट्रीमिंग और कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाला यह प्रतिष्ठित रियलिटी शो एक बार फिर सुपरस्टार होस्ट सलमान खान के साथ लौटा है। ड्रामा, रणनीति और मनोरंजन से भरपूर इस सीजन में टेलीविजन सितारों और फिल्म कलाकारों से लेकर लोकप्रिय डिजिटल क्रिएटर्स तक, अलग-अलग क्षेत्रों से आए कंटेस्टेंट्स को एक ही घर में लाया गया है। घर में आते ही ये कंटेस्टेंट्स अपने व्यक्तित्व और बदलते रिश्तों के साथ एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं। व्यूअरशिप में लगातार हफ्ते-दर-हफ्ते बढ़ोतरी के साथ यह शो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने शानदार प्रीमियर मोमेंटम को तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

अपनी शानदार व्यूअरशिप और बढ़ती डिजिटल पहुंच को दर्शाते हुए, ऑरमैक्स मीडिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इस रियलिटी फ्रेंचाइज़ी द्वारा स्ट्रीमिंग के क्षेत्र में हासिल किए गए एक बड़े मुकाम को उजागर किया। पोस्ट में लिखा गया : "ऑरमैक्स स्ट्रीमव्यू: 20 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में 'बिग बॉस (हिंदी) S20' 2026 में एक ही हफ्ते में 2 करोड़ व्यूज़ का आंकड़ा पार करने वाली पहली गैर-क्रिकेट प्रॉपर्टी बन गई है। जियोहॉटस्टार नोटः व्यूज़ भारत में उन यूनिक दर्शकों को दर्शाते हैं, जिन्होंने शुरुआती सप्ताह में सीरीज़ को 30 मिनट से अधिक समय तक देखा। ऑरमैक्स स्ट्रीमव्यू सोमवार से रविवार के चक्र का अनुसरण करता है।"

घर के अंदर चल रहे हाई-स्टेक्स ड्रामे, कप्तानी की कड़ी जंग और राशन को लेकर होने वाले तीखे विवादों ने पहले ही हफ्ते से दर्शकों को बांधे रखा है। काजी, माही, अमरपाली और युंग जैसे कंटेस्टेंट्स के बीच हुए मतभेदों ने माहौल को और गरमा दिया है। वहीं, 'वीकेंड का वार' एपिसोड्स में होस्ट सलमान खान द्वारा कंटेस्टेंट्स को दिए गए तीखे रियलिटी चेक ने भी खूब चर्चा बटोरी है। टास्क के दौरान पेश किए जा रहे अलग-अलग तरह के ट्विस्ट ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों की दिलचस्पी और जुड़ाव को और बढ़ाया है, जिसके चलते शो को जबरदस्त व्यू टाइम मिल रहा है।

यह उपलब्धि दर्शाती है कि 'बिग बॉस' देशभर के करोड़ों दर्शकों को लगातार आकर्षित कर रहा है और भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गैर-स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट के लिए नए मानदंड स्थापित कर रहा है। अप्रत्याशित ट्विस्ट, मजबूत कंटेस्टेंट डायनेमिक्स और ओटीटी-फर्स्ट एंगेजमेंट के साथ एंडेमोल शाइन इंडिया का यह नया सीजन एक बार फिर साबित कर रहा है कि 'बिग बॉस' आज भी एक बेजोड़ सांस्कृतिक घटना क्यों बना हुआ है।

नेशनल अवॉर्ड में स्पेशल मेंशन हासिल करने वाली मशहूर अभिनेत्री सावित्री श्रीधरन का निधन



मुंबई (एजेंसी)। मलयालम सिनेमा और रंगमंच की जानी-मानी अभिनेत्री सावित्री श्रीधरन का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने बुधवार को कोझिकोड स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। रिपोर्ट के मुताबिक सावित्री पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। उनके निधन की खबर से मलयालम फिल्म और थिएटर जगत में शोक की लहर है। सवित्री को खास तौर पर 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'सुडानी फ्रॉम नाइजीरिया' में निभाए जमीला के किरदार के लिए याद किया जाता है।

'सुडानी फ्रॉम नाइजीरिया' से मिली अलग पहचान

सावित्री श्रीधरन ने 'सुडानी फ्रॉम नाइजीरिया' में जमीला का किरदार निभाकर दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहा गया और इस भूमिका ने उन्हें कई महत्वपूर्ण सम्मान भी दिलाए। साल 2019 में उन्हें केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट कैरेक्टर एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। इसके अलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में भी उनके अभिनय को स्पेशल मेंशन के जरिए सम्मानित किया गया। फिल्म में सावित्री का अभिनय उनकी सहजता और प्रभावी संवाद अदायगी के लिए चर्चा में रहा। इस सफलता के बाद उन्होंने मलयालम फिल्मों में काम करना जारी रखा। वह 'वलियांगडी', 'डाकिनी', 'मेरा नाम शाजी', 'वायरस', 'इट्टिमानीः मेड इन चाइना', 'पाडा' और 'पप्पन' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं।

16 साल की उम्र में शुरू किया था थिएटर का सफर

फिल्मों में पहचान बनाने से काफी पहले सावित्री श्रीधरन ने रंगमंच को अपना लिया था। उन्होंने महज 16 साल की उम्र में अमेच्योर थिएटर से अभिनय की शुरुआत की। करीब दो दशक तक उन्होंने शौकिया रंगमंच पर लगातार काम किया और इसके बाद प्रोफेशनल थिएटर का रुख किया। अपने लंबे थिएटर करियर के दौरान उन्होंने केरल की कई चर्चित नाट्य मंडलियों के साथ काम किया। धीरे-धीरे वह राज्य के थिएटर समुदाय में एक सम्मानित नाम बन गईं। अभिनय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें मंच से जुड़े कलाकारों के बीच खास पहचान दिलाई। सावित्री के रंगमंचीय सफर में मशहूर नाटककार के.टी. मोहम्मद के नाटक 'दीपस्तंभम महास्चर्यम' में काम करना भी महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। इस नाटक से जुड़ने के बाद उन्होंने कई अन्य प्रसिद्ध थिएटर समूहों के साथ काम किया।

'द पैराडाइज' का 'अंजाना अंजानी' ऑडियो आउट नानी-कायदू की दिखी खूबसूरत केमिस्ट्री



मुंबई (एजेंसी)। नेचुरल स्टार नानी स्टारर 'द पैराडाइज़'की रिलीज़ को लेकर लगातार एक्साइटमेंट बढ़ता जा रहा है। फिल्म ने अपनी रिलीज़ से पहले दमदार टीज़र और गानों "आया शेर" और "येशनागुला" के साथ एक स्ट्रॉन्ग इम्पैक्ट बनाया है। ऐसे में अब मेकर्स ने फिल्म का तीसरा सिंगल, एक दिल छू लेने वाला रोमांटिक सॉन्ग "अंजाना अंजानी" भी रिलीज़ हो चुका है!

नेचुरल स्टार नानी स्टारर 'द पैराडाइज़' साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। फिल्म का डायरेक्शन श्रीकांत ओडेला ने किया है। मेकर्स ने दर्शको के उत्साह को बढ़ाने के लिए पहले ही टीज़र और गानों के साथ फिल्म की रिलीज़ के लिए स्टेज सेट कर दिया है। फिल्म को लेकर बढ़ते एक्साइटमेंट के बीच, अब तीसरा सिंगल "अंजाना अंजानी" ऑडियो सॉन्ग रिलीज हो चुका है। बता दें कि 'द पैराडाइज़' के गाने "अंजाना अंजानी" का ऑडियो रिलीज़ हो चुका है। यह गाना बेहद रोमांटिक और दिल को छू लेने वाला लग रहा है। गाने में नानी को कायदू लोहार को एक साथ रोमांटिक अंदाज में देखा जा सकता है। ऐसे में स्क्रीन पर यह देखना बहुत एक्साइटिंग होने वाला है कि दोनों की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री किस तरह से रोमांस को जगाएगी। "अंजाना अंजानी" का ऑडियो शेयर करते हुए, मेकर्स ने सोशल मीडिया पर लिखा है - अनिरुद्ध रविचंदर गाने को "अंजाना अंजानी" द्वारा कंपोज किया गया है, जबकि इसके बोल रितेश जी राव ने लिखे हैं। इस गाने को रितेश जी राव और सुब्लाशिनी ने बहुत खूबसूरती से गाया है।

श्री रामायण कथा में माता सीता बनेंगी अंजलि अरोड़ा



मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा आगामी पौराणिक फिल्म 'श्री रामायण कथा' में माता सीता का किरदार निभाने वाली है। अभिनेत्री का मानना है कि यह रोल उन्हें भगवान राम और हनुमान जी के आशीर्वाद से मिला है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाती हैं और प्रार्थना करती हैं कि जो चीज उनके हक की है, वही उन्हें मिले। साथ ही अभिनेत्री ने उस पल को भी याद किया जब निर्देशक अभिषेक सिंह उनके पास इस रोल के लिए आए थे और उन्हें माता सीता के रूप में उनकी एआई से बनी तस्वीर दिखाई थी। अभिनेत्री ने कहा, जब मेरे लिए यह रोल मेकर्स लेकर आए, तो उन्होंने मुझे मेरी फोटो का एआई वर्जन दिखाया, जिसे देखकर मुझे हंसी आ गई थी। मैं खुद को पहचान भी नहीं पा रही थी। तो सर ने कहा, 'हां ये तुम ही हो।' शुरुआत में तो मैंने सर से कहा भी था कि क्या आपको सच में लगता है कि मैं ये रोल कर पाऊंगी, तो सर ने मुझसे कहा था कि तुम कर सकती हो।

अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने काफी समय लेने और सोचने के बाद ही इस रोल के लिए हामी भरी थी। उन्होंने कहा, "तो फिर मैंने थोड़ा समय लिया, मैंने सोचा कि अगर मुझे ये चीज मिल रही है तो शायद ये एक आशीर्वाद है। क्योंकि मैं हमेशा हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाती हूं और मैं हमेशा प्रार्थना करती हूं कि मुझे वही मिले जो मेरे हक का है। तो शायद उन्होंने ही आशीर्वाद के रूप में मुझे ये रोल दिया है।

सेहत

क्या एक हफ्ते में 5 किलो वजन घटाया जा सकता है? डाइटिशियन ने बताया

मोटापा आज के समय में बहुत कॉमन प्रॉब्लम है। कई लोग इस समस्या से परेशान हैं, ऐसे में लोग तेजी से वजन कम करना चाहते हैं। इसके लिए लोग शॉर्टकट भी अपनाते हैं। वहीं कुछ लोग तेजी से वजन घटाने के लिए रोजाना खूब चलते हैं। वजन घटाने के लिए लोग टारगेट तक सेट करते हैं। ज्यादातर लोगों का गोल एक हफ्ते में 5 किलो वजन घटाना होता है। लेकिन सवाल ये है कि क्या एक हफ्ते में 5 किलो वजन घटाया जा सकता है और अगर घटाया जा सकता है तो इसका शरीर पर क्या असर होता है। डॉ दीक्षा सहवाग, वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ, फोर्टिस अस्पताल, मानेसर बता रही हैं कि एक हफ्ते में 5 किलो वजन कम करना सेफ है या नहीं।

क्या कहती हैं डाइटिशियन

एक हफ्ते में 5 किलो वजन घटाने के लिए बहुत बड़ा कैलोरी डेफिसिट चाहिए, जिसे केवल पैदल चलकर एक सप्ताह में हासिल करना अधिकांश लोगों के लिए संभव नहीं है और ऐसा करना कमजोरी, डिहाइड्रेशन और मांसपेशियों की कमजोरी को बढ़ा सकता है। एक स्वस्थ वयस्क के लिए शुरुआत में प्रतिदिन 5–7 किलोमीटर या लगभग 7,000–10,000 कदम



चलना एक लक्ष्य हो सकता है। लेकिन कैलोरी बर्न व्यक्ति के वजन, चलने की गति, उम्र, फिटनेस और स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करता है। वजन घटाने में केवल वॉकिंग नहीं, बल्कि कैलोरी-कंट्रोल, संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन, नींद और फिजिकल एक्टिविटी जरूरी है।

वेट लॉस का सही तरीका

अगर आप हेल्दी तरीके से वजन घटाना चाहते हैं तो हफ्ते में लगभग 0.5–1 किलो वजन घटाना सेफ हो सकता है। 5 किलो वजन एक महीने या कुछ हफ्तों के अंदर घटाना स्वास्थ के लिए भी सेफ होता है। अगर आप एक हफ्ते में 5 किलो वजन घटाते हैं तो इसका असर आपकी ओवरऑल हेल्थ पर भी पड़ सकता है। अगर आप वॉक करके वजन घटाना चाहते हैं तो इसके साथ आपको अपनी डाइट में चीनी, मीठे पेय, तले हुए खाद्य पदार्थ और ज्यादा प्रोसेस्ड फूड कम करे तथा सब्जियां, फल, साबुत अनाज और पर्याप्त प्रोटीन शामिल करे। डॉ दीक्षा सहवाग कहती हैं कि मेरी सलाह है कि किलोमीटर की संख्या के बजाय स्थिरता पर ध्यान दें। रोज 30–60 मिनट ब्रिस्क वॉक से शुरुआत करें और अपनी क्षमता के अनुसार धीरे-धीरे इसे बढ़ाएं। **(एजेंसी)**

बच्चों में क्यों बढ़ रही फैटी लिवर की समस्या?

बच्चों में फैटी लिवर की समस्या अब तेजी से सामने आ रही है और इसका सबसे बड़ा कारण बदलती लाइफस्टाइल है। पहले फैटी लिवर को आम तौर पर वयस्कों की समस्या माना जाता था, लेकिन आज कम उम्र के बच्चों में भी इसके मामले देखे जा रहे हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बच्चों में फैटी लिवर की समस्या क्यों बढ़ते जा रही है। डॉ. रमेश गर्ग, सीनियर डायरेक्टर और HOD, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, फ़ोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग़ बता रहे हैं कि बच्चों में क्यों फैटी लिवर के मामले बढ़ते जा रहे हैं। चलिए जानते हैं।

बच्चों में फैटी लिवर का प्रमुख कारण अधिक वजन और मोटापा है। जब बच्चे की डाइट में लगातार ज्यादा कैलोरी, चीनी और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट शामिल होते हैं और फिजिकल एक्टिविटी कम होती है, तो शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने लगता है। इसका असर लिवर पर भी पड़ता है और लिवर सेल्स में अतिरिक्त चर्बी जमा हो सकती है। जंक फूड, पैकेज्ड स्नैक्स, मीठे पेय पदार्थ, कोल्ड ड्रिंक्स, ज्यादा चीनी वाली चीजें और बार-बार बाहर का खाना इस समस्या का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही मोबाइल, टीवी और वीडियो गेम के कारण बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ना और खेलकूद या आउटडोर एक्टिविटी कम होना भी एक महत्वपूर्ण कारण है। कुछ बच्चों में जेनेटिक कारणों की वजह से भी ये समस्या होती है।

शुरुआती फैटी लिवर में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते। कुछ बच्चों में थकान, पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में हल्की परेशानी या वजन बढ़ने जैसी समस्याएं दिखाई दे सकती हैं। लेकिन केवल लक्षणों के आधार पर इसका पता लगाना मुश्किल है। यह समझना जरूरी है कि हर मोटे बच्चे को फैटी लिवर नहीं होता और हर फैटी लिवर वाला बच्चा मोटा हो, यह भी जरूरी नहीं है। लेकिन ज्यादा वजन, पेट के आसपास ज्यादा चर्बी और खराब खान-पान वाले बच्चों में इसका जोखिम ज्यादा रहता है।

फैटी लिवर से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है बच्चों को घर का खाना दें, मीठे और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का सेवन कराने से बचाएं। **(एजेंसी)**

आपके पैरों में छिपा है बीमारियों का राज

आपके शरीर के अंग आंख, दिमाग, कान, थायराइड, पेट, दिल-फेफड़ें, पैंक्रियाज़, हड्डियां-किडनी, आंत सबका कनेक्शन आपके पैरों के तलवों से ही जुड़ा है। यानि तलवों में अलग अलग ऑर्गन के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स हैं। तलवों में एक दर्द और होता है जिसे प्लांटर फेशिआइटिस कहा जाता है। ये पैर के निचले हिस्से में कुशन वाला मोटा रबर बैंड जैसा लचीला स्ट्रक्चर होता है। जो चलते-दौड़ते वक्त शरीर के प्रेशर को झेलकर शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करता है और जब इसमें तनाव बढ़ जाता है या सूजन आ जाती है। तलवों में-एड़ियों में बेइंतहा दर्द महसूस होता है।

प्लांटर फेशिआइटिस दर्द

ये तनाव-सूजन आने की वजह बनते हैं। हाई यूरिक एसिड-डायबिटीज़ हाइपोथायराइड और मोटापा या किसी तरह का फ्रैक्चर फ्लैट फुट वालों को भी ये दर्द परेशान करता है। इसके अलावा कई बार देर तक एक ही पोज़ीशन में बैठे रहने या पैर लटकाने से वो सुन्न भी हो जाते हैं।

इसकी वजह नर्व्स की कमज़ोरी हो सकती है। जिसकी वजह से शरीर के जिस हिस्से में ब्लड सप्लाई कम हो जाती है वो सुन्न पड़ जाता है। लेकिन बार बार अगर ऐसा हो रहा है तो ये बॉडी में आयरन डेफिशियेंसी का भी सिग्नल हो सकता है। ऐसे में शरीर में होने वाले 100 तरह के दर्द को दूर करने के लिए आयुर्वेद और योग का सहारा ले सकते हैं। इससे आपके शरीर के दर्द कम हो जाते हैं। स्वामी रामदेव से जानिए पैरों के दर्द को दूर करने के क्या उपाय हैं?

लाइफस्टाइल से होने वाली बीमारियां

करीब 35% भारतीयों को लाइफस्टाइल के रोग परेशान कर रहे हैं। जिसमें हर 10 में से 1 एडल्ट को हाइपो-थायराड है। 3 में से 1 शुगर पेशेंट को थायराइड की समस्या है। 23% भारतीय मोटापे के शिकार हैं और 40% लोगों के पेट पर एक्सेस फैट जमा है। खराब हो रही लाइफस्टाइल से लोगों में बीपी-शुगर, हाई कोलेस्ट्रॉल, ओबेसिटी, थायराइड, लंग्स प्रॉब्लम, इनसोम्निया, आर्थराइटिस और डेफिशियेंसी से जुड़ी समस्याएं हो रही हैं। **(एजेंसी)**

एक दिन में कितनी कप कॉफी पीनी चाहिए? ज्यादा कॉफी पीने से क्या क्या नुकसान हो सकते हैं, जानें डॉक्टर की राय

कई लोगों के लिए कॉफी उनकी रोज़मर्रा की दिनचर्या का अहम हिस्सा होती है। सुबह की शुरुआत एक कप कॉफी के साथ ही होती है। सुबह की कॉफी फोकस और एनर्जी बढ़ाने का काम करती है। इसका मुख्य कारण कैफीन है, जो प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला एक उत्तेजक पदार्थ है। संतुलित आहार के साथ कॉफी का सेवन किया जा सकता है, लेकिन इसकी मात्रा और इसे तैयार करने का तरीका बहुत मायने रखता है। लेकिन एक सवाल जो लोगों के मन में अक्सर आता है वो है कि एक दिन में कितनी कॉफी पीनी चाहिए। किरण दलाल, मुख्य आहार विशेषज्ञ, फोर्टिस हॉस्पिटल, फरीदाबाद बता रही है कि एक दिन में कितनी कॉफी पी जा सकती है।

एक दिन में कितनी कॉफी पिएं

ये कोई फिक्स नहीं है कि आपको इतनी ही कप कॉफी पीनी चाहिए। कॉफी में कैफीन की मात्रा उसके प्रकार, कप के आकार, बनाने के तरीके और गाढ़ेपन पर निर्भर करती है। इसके अलावा, हर व्यक्ति की कैफीन सहन करने की क्षमता भी अलग-अलग होती है। इसलिए ये कह पाना मुश्किल है कि एक दिन में कितनी कॉफी पी जाए।

कितनी मात्रा में कैफीन लेना सुरक्षित है?

अधिकांश स्वस्थ वयस्कों के लिए प्रतिदिन 400 मिलीग्राम तक कैफीन का सेवन सुरक्षित माना जाता है। कॉफी की मात्रा और गाढ़ेपन के आधार पर यह लगभग 3–4 सामान्य कप ब्रूड कॉफी के बराबर हो सकता है। हालांकि, केवल कपों की संख्या गिनना सही तरीका नहीं है। कैफे में मिलने वाली एक बड़ी कॉफी में घर पर बनी छोटी कॉफी की तुलना में काफी अधिक कैफीन हो सकता है।

यहां समझिए कॉफी की मात्रा से इसका असर

ब्रूड कॉफी, 240 मिलीलीटरः लगभग 80–120 मिलीग्राम

एस्प्रेसो, 30 मिलीलीटरः लगभग 60–75 मिलीग्राम

इंस्टेंट कॉफी, 240 मिलीलीटरः लगभग 50–90 मिलीग्राम

स्पेशलिटी या बड़े आकार की कैफे कॉफीः इसमें कैफीन की मात्रा काफी अधिक हो सकती है, खासकर यदि इसमें एस्प्रेसो के कई शॉट मिलाए गए हों। इसलिए, केवल कॉफी के कप गिनने की बजाय पूरे दिन में ली गई कैफीन की कुल मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है। कैफीन का प्रभाव भी हर व्यक्ति पर अलग होता है। कैफीन के प्रति संवेदनशील व्यक्ति को एक या दो कप कॉफी के बाद ही लक्षण महसूस हो सकते हैं, जबकि नियमित रूप से कॉफी पीने वाला व्यक्ति अधिक मात्रा को बिना किसी परेशानी के पी सकता है।

क्या ज्यादा कॉफी पीने से अधिक लाभ मिलता है?

ज़रूरी नहीं कि बहुत कॉफी पीना अधिक फायदेमंद हो। एक शोध में पाया गया है कि सीमित मात्रा में कॉफी पीना स्वास्थ के लिए फायदेमंद हो सकता है। कैफीन कुछ समय के लिए सतर्कता और मानसिक कार्यक्षमता को भी बेहतर कर सकता है। लेकिन अपनी सहनशक्ति से अधिक कॉफी पीने से ज्यादा लाभ नहीं मिलता, बल्कि कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। कॉफी की न्यूट्रिशनल क्वालिटी भी महत्वपूर्ण है। इसमें मिलाई जाने वाली चीनी, फ्लेवर्ड सिरप, व्हिप्ड क्रीम, मीठा क्रीमर और अन्य चीजें इसकी कैलोरी और



शुगर की मात्रा को काफी बढ़ा सकती हैं। इसलिए सादी कॉफी और अधिक चीनी व क्रीम वाली बड़ी स्पेशलिटी कॉफी पोषण की दृष्टि से बिल्कुल अलग पेय हैं।

ज्यादा कॉफी पीने के नुकसान

1. घबराहट और बेचैनी

ज्यादा कैफीन से कुछ लोगों को असामान्य बेचैनी, घबराहट या चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है। विशेष रूप से कैफीन के प्रति संवेदनशील लोगों को हाथ कांपने या अत्यधिक उत्तेजना जैसे लक्षण भी हो सकते हैं।

2. नींद की समस्या

कैफीन शरीर में कई घंटों तक सक्रिय रह सकता है। दिन में देर से कॉफी पीने पर नींद आने में कठिनाई हो सकती है। इससे नींद की गुणवत्ता और अवधि भी प्रभावित हो सकती है। यदि कॉफी आपकी नींद को प्रभावित करती है, तो इसकी मात्रा कम करें या दिन में देर से कैफीन लेने से बचें।

3. दिल की धड़कन तेज होना

अधिक मात्रा में कैफीन लेने से कुछ लोगों की हार्ट रेट अस्थायी रूप से बढ़ सकती है। उन्हें दिल की धड़कन तेज होने, जोर-जोर से धड़कने या घबराहट जैसा महसूस हो सकता है। यदि कैफीन लेने के बाद बार-बार तेज धड़कन या गंभीर घबराहट महसूस होती है, तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। **(एजेंसी)**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

गुरुवार 24 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती : आवेदन 8 तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी अंतर्गत प्रियदर्शनी नगर वार्ड 28 के आंगनबाड़ी केंद्र 54 पुराना टंकी के पास तारबहार में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर 8 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाईन आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक एवं पात्र आवेदिका ई-भर्ती ऑनलाईन लिंक https://aww.e-bharti.in/login में जाकर अनिवार्य दस्तावेजों की फाइल अपलोड कर आवेदन कर सकती है।

अंशकालिक संगीत प्रशिक्षकों की पात्रता सूची जारी, दावा आपत्ति 25 तक

बिलासपुर। जिले के पीएमश्री विद्यालयों में अंशकालिक संगीत प्रशिक्षकों की भर्ती के लिए प्राप्त आवेदनों के जांच उपरांत पात्रता सूची जारी कर दी गई है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 25 सितम्बर 2026 तक लिखित में उचित दस्तावेज के साथ जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा जिला पंचायत भवन, द्वितीय तल बिलासपुर में प्रस्तुत कर सकते है। पात्र-अपात्र आवेदकों की सूची का अवलोकन जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा एवं वेबसाईट www.bilaspur.gov.in में जाकर कर सकते है।

आयुष्मान कार्ड बना इलाज का सहारा, आर्थिक संकट से बचा परिवार

बिलासपुर। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जरूरत के समय स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत माध्यम बन रही है। बिलासपुर के सरकंडा निवासी श्री श्यामू खैरवार की पुत्री कुमारी श्रीजल खैरवार के लिए भी आयुष्मान कार्ड मुश्किल समय में उपचार का सहारा बना। अचानक आगजनी की घटना में घायल होने के बाद कुमारी श्रीजल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद उनकी स्थिति गंभीर पाए जाने पर तत्काल उपचार शुरू किया गया। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण महंगे इलाज को लेकर परिजन चिंतित थे। इसी दौरान परिवार ने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से योजना के तहत निःशुल्क उपचार का लाभ लिया। योजना के अंतर्गत उपचार की सुविधा मिलने से परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली। इलाज के लिए उन्हें कर्ज लेने अथवा अपनी आवश्यक संपत्ति बेचने की जरूरत नहीं पड़ी। उपचार के बाद श्रीजल स्वस्थ होकर अपने घर लौट आईं और अब सामान्य जीवन व्यतीत कर रही हैं। श्रीजल के परिवार ने आयुष्मान भारत योजना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन समय में योजना ने उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ आर्थिक संकट से भी राहत दिलाई। कुमारी श्रीजल खैरवार की कहानी बताती है कि जरूरत के समय आयुष्मान कार्ड पात्र परिवारों के लिए उपचार का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

नगर निगम बीरगांव को बड़ी सौगात : 135 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन, लगभग 110 करोड़ रुपये के नए विकास कार्यों की घोषणा

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अब कोई बाधा नहीं, विकास की गति होगी और तेज : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। शहरों में आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण के साथ नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। हमारे प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, मानव संसाधन और अपार संभावनाओं का उपयोग कर हम सब मिलकर एक समृद्ध, सशक्त और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज रायपुर जिले के नगर निगम बीरगांव में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर बीरगांव नगर निगम क्षेत्र को 135 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने इन कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करने के साथ ही क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए लगभग 110 करोड़ रुपये के नवीन विकास कार्यों की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीरगांव तेजी से विकसित हो रहा शहरी क्षेत्र है। औद्योगिक गतिविधियों और बढ़ती आबादी के अनुरूप यहां सड़क, पेयजल, स्वच्छता, सीवरेज, खेल सुविधाओं और अन्य नागरिक अधोसंरचनाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में बीरगांव नगर निगम क्षेत्र को 160 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकार्पित और भूमिपूजन किए गए विकास कार्यों में नगर निगम से संबंधित 94 करोड़ रुपये से अधिक तथा लोक निर्माण विभाग के 38 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही नगरोत्थान योजना के अंतर्गत लगभग 16 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इन कार्यों के पूरा होने से बीरगांव और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, स्वच्छता, खेल अधोसंरचना सहित अनेक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

स्टेट कैपिटल रीजन से बीरगांव के विकास को मिलेगी नई दिशा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार रायपुर, दुर्ग-भिलाई और आसपास के क्षेत्रों को सम्मिलित करते हुए स्टेट कैपिटल रीजन विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसमें बीरगांव भी शामिल है। स्टेट कैपिटल रीजन के माध्यम से पूरे क्षेत्र के सुनियोजित, समन्वित और दीर्घकालीन विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा। इसका लाभ आने वाले वर्षों में बीरगांव को भी मिलेगा और यहां आधुनिक शहरी अधोसंरचना एवं नागरिक सुविधाओं के विकास को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि विकास का अर्थ केवल सड़क और भवन बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के दैनिक जीवन को आसान बनाना भी है। इसी सोच के साथ सरकार सुशासन और ईज ऑफ लिविंग की दिशा में लगातार सुधार कर रही है। तकनीक के माध्यम से सरकारी सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जा रहा है।



मुख्यमंत्री ने बताया कि बीरगांव में मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय का निर्माण भी किया जाएगा। प्रदेश में 10 मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय विकसित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्री और स्वतः नामांतरण जैसी व्यवस्थाओं से भूमि संबंधी सेवाओं को सरल बनाया गया है। मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय के निर्माण से बीरगांव और आसपास के नागरिकों को जमीन की रजिस्ट्री से संबंधित सेवाएं अधिक सुविधाजनक ढंग से उपलब्ध होंगी।

बीरगांव में एसटीपी के लिए 82 करोड़ रुपये की बड़ी घोषणा

मुख्यमंत्री श्री साय ने बीरगांव के लिए अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण के लिए 82 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। इससे क्षेत्र में सीवेज प्रबंधन की व्यवस्था को मजबूत करने और स्वच्छता के स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने ओवरहेड टैंक एवं पाइपलाइन विस्तार के लिए 10 करोड़ रुपये, अधोसंरचना मद से सड़क एवं नाली निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये तथा सरोरा में खेल मैदान के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने बीरगांव में विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए आधुनिक अध्ययन सुविधाओं से युक्त नालंदा परिसर के निर्माण के लिए भी 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने व्यास तालाब तिराहा से बीरगांव नाला तक स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए एक करोड़ रुपये तथा बुधवारी बाजार बीरगांव से नगर निगम कार्यालय तक स्ट्रीट लाइट के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रावांभाठा में विद्युतीकरण एवं मरम्मत के लिए 50 लाख रुपये, सर्व मांगलिक भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये और शासकीय महाविद्यालय में ई-लाइब्रेरी निर्माण के लिए 89 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बीरगांव में छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल का जोन कार्यालय प्रारंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्यों का उद्देश्य बीरगांव के नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना और क्षेत्र को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना है।

सात क्षेत्रों में सर्वे के बाद पात्र परिवारों को मिलेंगे आवासीय पट्टे

मुख्यमंत्री श्री साय ने बीरगांव नगर निगम क्षेत्र के रावांभाठा, बंजारी नगर, शक्तिपारा, मठपारा, शीतलापारा, उरकुरा और मजदूर नगर सरोरा में सर्वेक्षण करवाकर पात्र लोगों को नियमानुसार आवासीय पट्टे वितरित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आवासीय सुरक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

गरीब, महिला, श्रमिक और जरूरतमंद परिवारों का कल्याण हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, महिला, श्रमिक, किसान, युवा और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवास बनाए जा रहे हैं। सरकार ने 18 लाख गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की 68 लाख से अधिक माताओं-बहनों को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना की 31 किस्तें जारी की जा चुकी हैं और अब तक 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि माताओं-बहनों को प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 5.60 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को सालाना 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण की दर बढ़ाने के साथ चरण पादुका योजना को फिर से प्रारंभ किया गया है। श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं।

स्वच्छता की शपथ लेकर छठ घाट पर उतरे जनप्रतिनिधि अधिकारी और नागरिक, दिया जनभागीदारी का संदेश

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनसेवा, जनभागीदारी और सेवा भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में आज छठ घाट पर स्वच्छता एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने छठ घाट की साफ-सफाई की। इस दौरान महापौर ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में पौधारोपण कर स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने कहा कि स्वच्छ और साफ-सुथरे शहर में लोग आना पसंद करते हैं। बिलासपुर को स्वच्छता के क्षेत्र में और आगे ले जाने के लिए जनता की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा गंदगी फैलाने वालों को रोकने के लिए जागरूक करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नागरिक स्वयं जागरूक होकर स्वच्छता की जिम्मेदारी निभाएं और इसे जनआंदोलन का रूप दें। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे जीवन का संकल्प बनाना होगा। जिस तरह हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं, उसी भावना से मोहल्ले, गांव और सार्वजनिक स्थानों को भी साफ रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प का उद्देश्य केवल प्रशासन की गतिविधियों तक सीमित नहीं है।

कुलगोत्राचार्य महर्षि कश्यप की जयंती पर जुटे वैश्य केशरवानी समाज

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। केशरवानी वैश्य समाज द्वारा महर्षि श्री काश्यप जयंती समारोह में विविध कार्यक्रम आयोजन कर कुलगोत्राचार्य का पूजन अर्चन किये। केशरवानी वैश्य नगर सभा के तत्वावधान में विगत 21 सितम्बर को महर्षि कश्यप जयंती समारोह का भव्य आयोजन नगर सीता पैलेस में किया गया। केशरवानी समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रत्नमणी केशरवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में समाज के वेलफेयर सोयायटी से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के पढ़ाई एवँ वैवाहिक में उपयोग किया जा रहा है। वेलफेयर उपयोगी साबित हो रहा है। इससे पहले महर्षि कश्यप जी



की प्रतिमा पूजन मुख्य अतिथि रत्नमणि केशरवानी एवं विशिष्ट अतिथि शिव कुमार केशरवानी एवं रामकुमार केशरवानी,नूतन गुप्ता पत्रकार एवं समाज के सभी लोगो द्वारा किया गया।

तत्पश्चात केशरवानी वैश्य महिला सभा एवं बच्चों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति महामंत्री कविता केशरवानी एवं सांस्कृतिक सचिव सारिका गुप्ता के नेतृत्व में दी गई। अतिथियों ने समाज के शिक्षकों को श्रीफल गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया गया।

केशरवानी वैश्य नगर सभा के अध्यक्ष परमेश्वर गुप्ता ने समाज को एकजुट रहने का संदेश दिया,वहीं महिला सभा अध्यक्ष मिथिला केशरवानी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए मंच को संबोधित किया।

उक्त अवसर पर समाज के समस्त पदाधिकारी यथा कोषाध्यक्ष संदीप केसरवानी, प्रेस क्लब सचिव नूतन गुप्ता , संयोजक विकास (विक्की) केसरवानी, सभा अध्यक्ष देवेंद्र केसरवानी, परमानंद केशरवानी, शुभम गुप्ता, सौरभ गुप्ता, राहुल गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता, प्रदेश महिला सभा सदस्य श्वेता केशरवानी, शिक्षिका अल्का गुप्ता, प्रेमप्रकाश गुप्ता, मनोज केशरवानी, आकाश केशरवानी,संजू गुप्ता, नन्दकिशोर गुप्ता, सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्यगण उपस्थित रहे। मंच संचालन महामंत्री आनंद गुप्ता एवँ ने किया।

युवाओं के संकल्प और सामर्थ्य से बनेगा विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ : तोमर

'युवा उड़ान 2026' में भविष्य की दिशा पर हुआ संवाद

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर युवाओं को 'विकसित भारत विजन 2047' से जोड़ने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गरियाबंद के इंडोर स्टेडियम में आज सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में युवाओं के साथ विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ में युवाओं की भूमिका, केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियां तथा 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' जैसे विषयों पर संवाद एवं परिचर्चा हुई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, कलेक्टर रणबीर शर्मा, एसपी वेदव्रत सिरमौर, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित



जिला प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में युवागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले युवाओं को सम्मानित भी किया गया। समाजसेवी शीतल ध्रुव, पैरा एथलीट प्रीति यादव, भारती साहू, दिलाशा सिंह सहित अन्य युवाओं को उनके योगदान एवं उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक न रुको : तोमर

मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध आह्वान 'उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो' का उल्लेख करते हुए युवाओं को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं, लेकिन संघर्ष और निरंतर प्रयास के माध्यम से आगे बढ़ा जा सकता है। संकल्प और परिश्रम से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक प्रेरणा लेने तथा रचनात्मक एवं सृजनात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, युवाओं को उनसे संघर्ष करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। परिश्रम का कोई शॉर्टकट नहीं होता, इसलिए युवाओं को पूरी मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने सरकार की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में भी तेजी से विस्तार हुआ है। एमबीबीएस की सीटें करीब 12 वर्षों में 51 हजार से बढ़कर 1.30 लाख, एम्स की संख्या 7 से बढ़कर 25 और मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर करीब 800 हुई है।

युवाओं ने साझा किए विकसित भारत के विचार -

कार्यक्रम में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के छात्र नागेश साहू ने केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर अपने विचार रखे। छात्र गौरव ढीढ़ी ने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' विषय पर प्रकाश डालते हुए देशहित में इसके विभिन्न पहलुओं और समय के साथ सतत विकास से होने वाले संभावित लाभों पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि देश की दिशा और स्थिति तय करने में युवाओं की जागरूक भागीदारी महत्वपूर्ण है। छात्रा चांदनी ठाकुर ने 'विकसित छत्तीसगढ़–विकसित भारत में युवाओं की भूमिका' विषय पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और जीवनशैली के विकास पर भी ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं के लिए संचालित मेरा भारत पोर्टल, शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों तथा कौशल विकास एवं रोजगार के अवसरों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि युवा आगे बढ़ेंगे तो छत्तीसगढ़ और भारत भी विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा।

देवी नवागांव में नवीन पीडीएस भवन का भूमिपूजन, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर सुविधा



देवी नवागांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। ग्राम देवी नवागांव में ग्रामीणों की लंबे समय से अपेक्षित सुविधा को ध्यान में रखते हुए नवीन सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) भवन निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया।

नवीन भवन के निर्माण से ग्रामवासियों को शासकीय उचित मूल्य की दुकान से राशन सामग्री प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी तथा पीडीएस व्यवस्था के संचालन के लिए बेहतर एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा।साथ ही माननीय राकेश यादव जन सेवक बालोद द्वारा ग्राम पंचायत देवी नवागांव में वृक्षारोपण किया गया.

भूमिपूजन कार्यक्रम में जनसेवक राकेश यादव, जिला भाजपा महामंत्री राकेश यादव, जिला भाजपा मंत्री प्रेम साहू, किसान मोर्चा अध्यक्ष भाजपा सुरेंद्र देशमुख, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण साहू एवं जनपद पंचायत बालोद अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती टेमरिया ,जनपद सदस्य श्रीमती दमयंती हरदेल, भगवती उइके , एल्डरमैन रवि प्रकाश पाण्डेय सहित प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही भाजपा मंडल महामंत्री सन्तानु साहू सहित भाजपा पदाधिकारी, ग्राम दरबारी नवागांव के सरपंच गिरीश निर्मलकर जी देवी नवागांव के सरपंच निर्मल बनपेला जी एवम जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार शासन की प्राथमिकता है। नवीन पीडीएस भवन बनने से ग्रामीणों को राशन वितरण के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली का संचालन अधिक सुचारु एवं व्यवस्थित तरीके से हो सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने नवीन पीडीएस भवन के निर्माण को ग्राम के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाने की बात कही।

भूमिपूजन कार्यक्रम में ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण रहा। जनप्रतिनिधियों ने ग्राम के विकास से जुड़े अन्य आवश्यक कार्यों पर भी चर्चा करते हुए ग्रामीणों को आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया।

:- संपादकीय :-

लाचारी का भाव बढ़ा

संयुक्त राष्ट्र की यह पहली ऐसी रिपोर्ट है, जिसमें इतनी अंधकारमय तस्वीर का वर्णन है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि नेपाल में जो हुआ, वह दुनिया के संभावित भविष्य की एक मिसाल भर है।ग्लेशियर गिरने से नेपाल में आई तबाही की दर्दनाक कहानियों के बीच संयुक्त राष्ट्र ने यह भयानक आकलन दुनिया के सामने रखा है कि ग्लोबल वॉर्मिंग से गंभीरतम किस्म की क्षतियों को रोकने का अवसर धरती ने गंवा दिया है। अब चुनौती इस पर विचार करने की है कि बढ़ चुके तापमान को कैसे फिर से खतरे की सीमा से नीचे लाया जाए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि 2015 की पेरिस जलवायु संधि में जिस तापमान को लेकर चेताया गया था, वह सीमा जल्द ही पार होने वाली है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि तब दी गई चेतावनी पर शासकों ने ध्यान नहीं दिया। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जारी रहा। नतीजतन, धरती का तापमान खतरनाक सीमा तक पहुंच गया है।विशेषज्ञों के मुताबिक यह संयुक्त राष्ट्र की पहली ऐसी रिपोर्ट है, जिसमें इतनी अंधकारमय तस्वीर का वर्णन है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि नेपाल में जो हुआ, वह दुनिया के संभावित भविष्य की एक मिसाल भर है। जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में ग्लेशियर पिघल रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इसकी सबसे बड़ी मार उन जन समूहों पर पड़ रही है, ग्लोबल वॉर्मिंग में जिनकी नगण्य भूमिका है। ग्रीनहाउस गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में नेपाल का हिस्सा सिर्फ 0.1 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैसों का सबसे ज्यादा उत्सर्जन अमेरिका और अन्य विकसित देशों में होता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन रोकने की अपनी जिम्मेदारी से वे देश अब पूरा मुंह मोड़ चुके हैं।डॉनल्ड ट्रंप के कार्यकाल में पर्यावरण संरक्षण के बजट में भारी कटौती हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भू-स्खलन सहित अन्य प्राकृतिक खतरों की निगरानी के लिए नेपाल को अमेरिका से जो मदद मिलती थी, ट्रंप के कार्यकाल में उसे रोक दिया गया। आपदा आने के बाद सवाल उठा है कि क्या अगर वो कार्यक्रम जारी रहता, तो तबाही से पहले एहतियाती इंतजामों का मौका मिल सकता था? बहरहाल, विकसित दुनिया अभी ऐसे सवालों को ठेंगे पर रख रही है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन जनित प्राकृतिक आपदाओं की आशंका को लेकर लाचारी का भाव बढ़ा है, तो वह लाजिमी ही है।

सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

ललित गर्ग ।

सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को ह्यमुफ्तह्ल बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए।



फिर भी इस बदलाव को केवल शुल्क लगा या नहीं लगा के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है।भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है। उपभोक्ताअधिकार समझें

फिर भी इस बदलाव को केवल शुल्क लगा या नहीं लगा के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए।

यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है।यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरूआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था।इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है।

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी कार्य को पूरा करने के लिए ऑफिस में स्टाफ के साथ विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं ऑनलाइन माध्यम से अपने बिजनेस को आगे बढ़ाएंगी, जिसमें उनको अच्छा लाभ होगा। इस राशि के लेखकों के लिए

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप कारोबार में किसी बड़ी डील को फाइनल कर सकते हैं, जिसमें आपको बड़ा धन लाभ होगा। आज हर तरफ से मामलों पर आपको सकारात्मक रहना होगा। किसी समस्या पर दोस्तों से बातचीत हो सकती है, जिससे आपको अच्छा समाधान मिल सकता है।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी बड़ी कंपनी में इन्वेस्ट करने से पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह अवश्य लें, जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सके। आज आप सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी भी काम को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे तो आपको सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे। आज आपको जीवनसाथी के साथ किसी समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज आप दोस्त के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे और कुछ काम की बात भी कर सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी भी बड़े काम को करने से पहले माता-पिता और गुरु का आशीर्वाद अवश्य ले लें। आज आपको संतान के सहयोग से कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे सब अच्छे से हो जाएगा। आज आपको निजी जीवन की समस्याओं से मुक्ति मिलेगी और पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बनती दिख रही है। आज आप किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर ले लें। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप बहुत अच्छे से पूरा करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज कारोबार में अधिक लाभ होने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। आज आपके किसी रिश्तेदार से रिश्ते बेहतर होंगे, आपसी मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर आप सेंसिटिव हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके अधिकतर काम सफल होंगे, आप धैर्य और संयम बनाए रखें। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगा। साथ ही आप पिता की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि की महिलाएं ऑफिस और घर के कार्यों को संतुलित बनाने में सफल होंगी। आज ऑफिस में आपको नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे।

धनु राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे वह समय पर पूरा हो जाएगा। साथ ही आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। आज आप किसी चीज को समझने के लिए अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं। आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे और उनके साथ खूब एंजॉय करते हुए नजर आएंगे, इससे आपको तरोताजा महसूस होगा।

मकर राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जाएगा। साथ ही किसी रिश्तेदार से आपको खुशखबरी मिलेगी। आज जीवनसाथी आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में अपनापन बना रहेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन खुशहाल बना रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी,

सू- दोकू क्र.168

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.167 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

मानवता पर मंडराता छिपी भूख का संकट



जलवायु परिवर्तन और आधुनिक खेती के कारण हमारी थालियों में पोषण की भारी कमी हो रही है, जिसे 'छिपी हुई भूख' कहा जाता है। इस गंभीर वैश्विक संकट से निपटने के लिए पारंपरिक खेती के साथ-साथ अब जीन-संपादन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाना समय की बड़ी मांग बन चुका है।भरपेट भोजन के बाद हम तृप्त हो जाते हैं, लेकिन एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारी थाली में पौष्टिक तत्व समुचित मात्रा में मौजूद हैं? दुनिया में आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा महत्वपूर्ण विटामिन और खनिज पदार्थों से वंचित है। हैरानी की बात यह है कि यह समस्या उन वजहों से बढ़ रही है जिनका लोगों की खाने-पीने की पसंद से कोई लेना-देना नहीं है। इसका जवाब उन फसलों में छिपा है जिन पर लगातार गर्म माहौल का असर पड़ रहा है। दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी में विटामिन बी2, बी9, सी और ई के साथ-साथ कैल्शियम, आयरन और आयोडीन जैसे खनिजों की कमी पाई गई है। यह कमी सिर्फ गरीब देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अमीर देशों में भी देखी जा सकती है। आहार विज्ञानी इसे छिपी हुई भूख कहते हैं और यह कैलोरी की कमी से नहीं, बल्कि विटामिन और खनिजों की कमी से उपजती है।दुनिया की मुख्य फसलों में पके हुए सफेद चावल से सबसे कम पोषक तत्व मिलते हैं। पौष्टिकता के मामले में यह मक्का और गेहूं दोनों से काफी पीछे है। यह एक गंभीर समस्या है, क्योंकि अरबों लोगों के लिए रोजाना मिलने वाली कैलोरी का सबसे बड़ा स्रोत चावल ही है। एशिया के ज्यादातर हिस्सों में चावल की तीन पूरी थालियां खाने वाले व्यक्ति को जरूरी विटामिन और खनिज की सही मात्रा नहीं मिल पाती। चावल पेट तो भर देता है, लेकिन पोषण की ऐसी कमी छोड़ जाता है जिसे सामान्य मात्रा में खाने से पूरा नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन अब इस बुरी स्थिति को और भी बदतर कर रहा है। जैसे-जैसे हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, अनाज में जमा होने वाले प्रोटीन, बी ग्रुप के विटामिन और खनिजों की मात्रा कम होती जा रही है।एक अनुमान है कि चावल की गुणवत्ता में आ रही इस गिरावट के कारण 2050 तक 23.9 करोड़ लोग फोलेट की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे उन 2.5 अरब लोगों में शामिल हो जाएंगे जिन्हें पहले से ही पर्याप्त फोलेट नहीं मिल रहा है। ध्यान रहे कि फोलेट एक ऐसा बी-विटामिन है जिसके बिना शरीर का काम नहीं चल सकता। एक नए अध्ययन में जर्मनी के लीबनज इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री के शोधकताओं ने पौधों को जीवित रखने वाली चीजों और लोगों को स्वस्थ रखने वाली चीजों के बीच एक हैरान करने वाली समानता पाई है। जिन विटामिनों पर हमारा शरीर निर्भर करता है, वही विटामिन मुश्किल हालात में जीवित रहने के लिए पौधों के भी काम आते हैं।थायमिन (विटामिन बी1) से उपचारित फसलें उन फसलों के मुकाबले सूखे का बेहतर सामना करती हैं जिनमें यह नहीं होता। फोलिक एसिड और राइबोफ्लेविन पौधों को सूखे और खारी मिट्टी जैसी मुश्किल स्थितियों से निपटने में मदद करते हैं। ज्यादा पोषण वाली फसलें खराब मौसम का भी बेहतर ढंग से सामना कर सकती हैं। जलवायु परिवर्तन खाद्य आपूर्ति पर दोहरी मार करता है। यह उन फसलों से पोषक तत्व छीन लेता है जो खेतों में उगती हैं और ठीक उसी समय उन खेतों पर सूखा, गर्मी और बाढ़ का कहर भी बरपाता है।पिछली सदी में पौधों के प्रजनकों ने बाकी चीजों के मुकाबले अधिक पैदावार पर ही सबसे ज्यादा ध्यान दिया। 1960 के दशक की हरित क्रांति ने ठीक यही किया, जिससे पूरे एशिया में गेहूं, चावल और मक्के की पैदावार दोगुनी हो गई। पैदावार बढ़ने से एक अरब से ज्यादा लोगों को भुखमरी से बचाने में मदद मिली। फिर भी, मात्रा पर अधिक जोर दिए जाने से किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसलों का पोषण मूल्य कम हो गया। पारंपरिक क्रॉस-ब्रीडिंग से कुछ पोषक तत्वों की मात्रा थोड़ी बढ़ाई जा सकती है, जैसा कि बीन्स और गेहूं की फसलों में आयरन और जिंक के मामले में हुआ है। लेकिन यह ऐसा विटामिन नहीं जोड़ सकती जिसे बनाने की क्षमता पौधे के जीन्स में कभी थी ही नहीं।

गणना का तिलिस्म और लापता मतदाता

सरकारी दावे हैं-नए आईआईटी, आईआईएम और एम्स खुले। इतने हाईवे, एक्सप्रेस-वे व हवाई अड्डे बन गए। वगैरह-वगैरह। मगर मतदाता गायब हो रहे हैं, पता नहीं क्यों?अगर गणना की ही बात है तो जी, इधर सबसे बड़ी गणना शुरू हो गयी, यानी जनगणना। इसमें जाति जनगणना भी होगी। यानी उस बात को किसी ने तवज्जो नहीं दी कि जिसकी जाति का पता नहीं, वह भी गणना की मांग करता है। बहरहाल, जनगणना से पता चलेगा कि हमारी आबादी कितनी बढ़ गयी है। लेकिन इधर कुछ दूसरी गणनाएं भी सामने आयी हैं, जिनकी स्थिति कुछ-कुछ वैसी ही है जैसे किसी को महत्वहीन करार देने के लिए कह दिया जाता है कि मैं उसे कुछ नहीं गिनता या फिर यह कि वह किस गिनती में आता है।खैर, इनमें एक गणना यह सामने आयी है कि कोई नौ-दस करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न नौकरी कर रहे हैं, न पढ़ाई कर रहे हैं, न कोई हुनर सीख रहे हैं, जिसे आजकल कौशल विकास कहा जाता है और उसे सिखाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं। हालांकि वहां भी घोटाले हो रहे हैं, पर इतनी बड़ी-बड़ी परियोजनाओं में घोटाले तो होते ही रहते हैं। ठीक उसी तरह जैसे बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बात होती रहती है सिनेरिटा! खैर, इसका अर्थ यह है कि ये युवा किसी गिनती में नहीं हैं। जब ये न नौकरी कर रहे हैं, न शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, न कोई हुनर सीख रहे हैं, तो जाहिर है, घरवालों के लिए भी ये किसी गिनती में नहीं होंगे।लेकिन उम्मीद करनी चाहिए कि वे रील तो जरूर बना रहे होंगे।खैर, इसी तरह की एक दूसरी यह गणना है कि नौ राज्यों तथा तीन केंद्रशासित प्रदेशों में हुई एसआईआर की प्रक्रिया से पता चला है कि कोई चार-पांच करोड़ मतदाता ऐसे हैं, जो अपने पते-ठिकाने पर मिल ही नहीं रहे। पता नहीं, कहां चले गए। पलायन कर गए, तो पलायन करके गए कहाँ। मरने वालों का तो फिर भी रिकॉर्ड होता है। घरवाले ही बता देते हैं कि जी, भगवान को प्यारे हो गए। लेकिन इन मतदाताओं का तो पता ही नहीं चल रहा है कि वे कहां गए। जहां गए, वहां मतदाताओं की संख्या कितनी बढ़ी।लेकिन मतदाताओं की गणना कोई जनगणना नहीं है कि जनगणना से आबादी बढ़ी हुई ही सामने आएगी। मतदाताओं की गणना तो इधर घटकर ही सामने आ रही है। होगा वह कोई और दौर, जब मतदाताओं की संख्या भी बढ़ती रही होगी। लेकिन अब तो उसे घटना ही है। वैसे तो जी, सरकार कह रही है कि गरीबों की संख्या भी घट ही रही है। पर मुफ्त राशन तो उतने ही लोग ले रहे हैं। हालांकि बढ़ भी नहीं रहे होंगे। सरकार की कोशिश होती है कि गणनाओं में बढ़ोतरी हो, जैसे इतने नए आईआईटी, आईआईएम और एम्स खुल गए। इतने हाईवे और एक्सप्रेस वे बन गए। इतने हवाई अड्डे बन गए, वगैरह-वगैरह। लेकिन मतदाता घट रहे हैं, गायब हो रहे हैं, पता नहीं क्यों?

विचार | विष्णु प्रसाद वर्मा

'वसुंधरा' परियोजना से सुशासन और पारदर्शी राजस्व सेवाओं का नया दौर



छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के नागरिकों को सुगम, त्वरित और पारदर्शी राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 'सेवा के संकल्प' के साथ एक ऐतिहासिक डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रही है। राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग द्वारा शुरू की गई 'वसुंधरा' परियोजना के माध्यम से प्रदेश भर के पुराने और वर्तमान राजस्व अभिलेखों का संपूर्ण डिजिटलीकरण, संरक्षण तथा प्रमाणीकरण किया जा रहा है, जिससे आम जनता को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से हमेशा के लिए मुक्ति मिलेगी।सफलता का आधारः दंतेवाड़ा का क्रांतिकारी मॉडल इस महत्वाकांक्षी योजना की सफलता की मजबूत नींव दंतेवाड़ा जिले के क्रांतिकारी मॉडल पर आधारित है। दंतेवाड़ा में पिछले एक वर्ष के दौरान 12 हजार से अधिक नागरिकों ने कियोस्क सेवाओं का लाभ उठाया और 15 हजार से अधिक जाति प्रमाण-पत्र मात्र एक से दो दिनों में जारी किए गए। इसके साथ ही सैकड़ों विवादित मामलों का त्वरित निराकरण संभव हुआ और अभिलेखों में छेड़छाड़ का एक भी मामला सामने नहीं आया।विस्तृत खाकाः 12.89 करोड़ पृष्ठों का डिजिटलीकरण- दंतेवाड़ा के इसी सफल प्रयोग से प्रेरणा लेते हुए अब पूरे राज्य में लगभग 12 करोड़ 89 लाख पृष्ठों के विभिन्न राजस्व अभिलेखों को डिजिटाइज करने का विस्तृत खाका तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत 22.72 करोड़ रुपए की लागत से 5.68 करोड़ पृष्ठ खसरा पांचसाला, 11.77 करोड़ रुपए की लागत से 2.94 करोड़ पृष्ठ क्र-1 रिकॉर्ड, 9.98 करोड़ रुपए की लागत से 2.49 करोड़ पृष्ठ नामांतरण व संशोधन पंजी, 2.13 करोड़ रुपए की लागत से 53.16 लाख पृष्ठ मिसल पंजी और 1.89 करोड़ रुपए की लागत से 47.29 लाख पृष्ठ अधिकार अभिलेख शामिल हैं।

शब्द सामर्थ्य -168

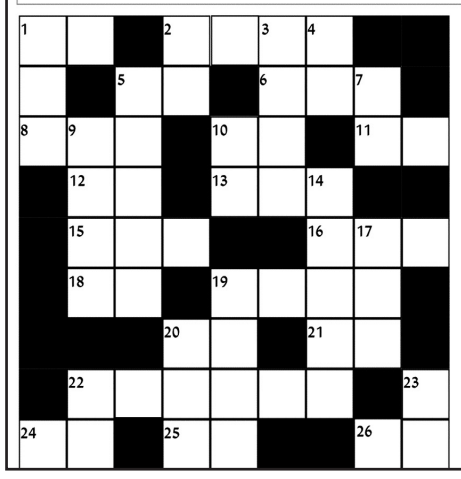
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 167 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

विधायक भावना बोहरा ने 4.12 करोड़ के दामापुर से करपी तक सड़क एवं नवीन विश्राम गृह निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन



पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण अंचलों में विकास को गति देने और क्षेत्रवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा के लिए निरंतर प्रयासरत विधायक भावना बोहरा के द्वारा एक और बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। आज ग्राम करपीकला में विधायक भावना बोहरा ने 2 करोड़ 75 लाख 41 हजार रुपए की लागत से बहुप्रतीक्षित दामापुर-बरेजहा-भरेवापारा-करपी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण से ग्राम दामापुर, बरेजहा, भरेवापारा एवं करपी सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और दैनिक आवश्यकताओं से जुड़े कार्यों के लिए आने-जाने में समय और परेशानी दोनों कम होंगे। इसके साथ ही विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया में 1 करोड़ 37 लाख 54 हजार रुपए की लागत से बनने वाले नवीन विश्राम गृह का भी भूमिपूजन किया। पंडरिया में नवीन विश्राम गृह का निर्माण क्षेत्र में आने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं अन्य आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार भावना बोहरा ने कुल 4 करोड़ 12 लाख 95 हजार रुपए की लागत से होने वाले सड़क व अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विकास में सड़क और अधोसंरचना से जुड़े कार्य हमारी प्राथमिकताओं में हैं। दामापुर-बरेजहा-भरेवापारा-करपी सड़क क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग थी, जो अब पूरी होने जा रही है। इस सड़क के निर्माण से कई गांवों के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। साथ ही पंडरिया में नवीन विश्राम गृह का निर्माण क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा संकल्प है कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क, मजबूत अधोसंरचना और आवश्यक सुविधाएं पहुंचें। विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे क्षेत्र के लोगों के जीवन को आसान बनाने और गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम हैं। पंडरिया विधानसभा में जनआवश्यकताओं के अनुरूप लगातार विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनने के बाद से पंडरिया विधानसभा के नगर से लेकर गाँव और वनांचल क्षेत्रों में निरंतर विकास कार्य अपना आकार ले रहें हैं जनता की बहुप्रतीक्षित मांगे पूरी हो रहीं हैं और सड़कों का जाल बिछ रहा है जिससे हर व्यक्ति एवं वर्ग लाभान्वित हो रहा है। विकास कार्यों के साथ-साथ जनकल्याण के लिए संचालित योजनाओं का भी लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा है। महतारी वंदन योजना, किसान सम्मान निधि, पीएम आवास, आयुष्मान भारत, पीएम जनमन योजना, लखपति दीदी, डिजिटल और स्टार्टअप इण्डिया अभियान, शौचालय, भूमिहीन किसानों को आर्थिक सहायता, 3100 रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी, तेंदू पत्ता संग्राहकों को प्रोत्साहन जैसे योजनाओं ने आज किसान, महिला, व्यापारी, युवा हर वर्ग के जीवन को सुगम, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बना रही है। आज गाँव-गाँव तक विकास की रोशनी पहुँच रही है, वनांचल के क्षेत्रों में कबी अँधेरा था आज वहां बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है, स्वच्छ पेयजल तथा सड़क सुविधा से बारहमासी कनेक्टिविटी वनांचल क्षेत्रों को नई दिशा व उम्मीद दे रही है।

इस सौगात के लिए विधायक भावना बोहरा ने माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार बनने के बाद से पंडरिया विधानसभा के विकास एवं अधोसंरचना निर्माण को एक नई गति मिली है। 1000 करोड़ से अधिक के विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्य, 300 करोड़ से अधिक की सिंचाई व जल आवर्धन परियोजनाएं, 500 करोड़ से अधिक के सड़क निर्माण, 35000 से अधिक प्रधानमंत्री आवास, 1 लाख 25 हजार से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत आर्थिक सहायता, प्रमुख सड़कों का उन्नयन एवं चौड़ीकरण, 250 सीटर नालंदा परिसर, मिनी स्टेडियम, व्यावसायिक परिसर, विधानसभा को आदर्श शहर समृद्धि योजना में शामिल करना जैसे अभूतपूर्ण कार्य हुए हैं।

तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के बच्चों हेतु शिक्षा प्रोत्साहन योजना

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के निर्देशानुसार तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "शिक्षा प्रोत्साहन योजना" संचालित की जा रही है। योजना का उद्देश्य तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के प्रतिभावान एवं पात्र बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता एवं प्रोत्साहन प्रदान करना है। योजना का लाभ ऐसे संग्राहक मुखिया परिवार के पात्र सदस्यों को दिया जाएगा, जिनके द्वारा विगत तीन वर्षों अर्थात वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 में से किसी भी दो वर्षों में न्यूनतम 500-500 गड्डी तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया हो।

योजना के अंतर्गत निम्नानुसार छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार का प्रावधान है—

1. व्यवसायिक कोर्स हेतु छात्रवृत्ति

तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार के बच्चों के लिए प्रत्येक प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति स्तर पर प्रतिवर्ष एक विद्यार्थी का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थी को प्रथम वर्ष ₹10,000/-, तथा द्वितीय एवं आगामी वर्षों में ₹5,000/- प्रतिवर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह सहायता अधिकतम चार वर्षों तक देय होगी।

2. गैर-व्यवसायिक कोर्स हेतु छात्रवृत्ति

प्रत्येक प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति में प्रतिवर्ष तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार के मुखिया के एक छात्र एवं एक छात्रा का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष ₹5,000/-, द्वितीय वर्ष ₹4,000/- तथा तृतीय वर्ष ₹3,000/- की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

3. मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार

प्रत्येक प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति क्षेत्र में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले पात्र छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। कक्षा 10वीं के लिए ₹2,500/- तथा कक्षा 12वीं के लिए ₹3,000/- का पुरस्कार निर्धारित है।

4. प्रतिभाशाली शिक्षा प्रोत्साहन योजना

प्रत्येक प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति क्षेत्र में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले पात्र छात्र-छात्राओं को विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। कक्षा 10वीं के लिए ₹15,000/- तथा कक्षा 12वीं के लिए ₹25,000/- की प्रोत्साहन राशि देय होगी।

आवेदन की प्रक्रिया

उपरोक्त समस्त योजनाओं के लिए आवेदन दिनांक 01.09.2026 से 30.09.2026 तक लोक सेवा केन्द्र (CSC) के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना है। निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन के साथ मार्च 2026 की अंकसूची, तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्ड, संग्राहक मुखिया एवं छात्र/छात्रा का आधार कार्ड, छात्र/छात्रा का बैंक विवरण, व्यवसायिक/गैर-व्यवसायिक पाठ्यक्रम हेतु कॉलेज में प्रवेश शुल्क जमा करने की पर्ची तथा योजना के अनुसार अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। अतः तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों से अपील है कि वे अपने पात्र बच्चों को योजना का लाभ दिलाने हेतु निर्धारित समयावधि में लोक सेवा केन्द्र (CSC) के माध्यम से आवेदन अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कराएं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2026 है। अधिक जानकारी के लिए संबंधित प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के प्रबंधक से संपर्क किया जा सकता है।

आरसीसी नालियों और सीसी रोड के लिए 1.48 करोड़ मंजूर

धमतरी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने धमतरी जिले के कुरूद नगर पालिका में चार कार्यों के लिए कुल एक करोड़ 48 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। इनमें तीन आरसीसी नालियों के निर्माण के लिए एक करोड़ 18 लाख 61 हजार रुपए और एक सीसी रोड के लिए 29 लाख 44 हजार रुपए शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इनकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं।

अवैध रूप से शराब बिक्री,शराब पिलाने की सुविधा देने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

132 आरोपियों के विरुद्ध की गई आबकारी एक्ट की कार्रवाई।



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में हो रही ताबड़तोड़ कार्यवाहियां थमने का नाम नही ले रही है। अपराध जगत से जुड़े अपराधियों में अब यह भय सताने लगा है,-'की कब मेरा नम्बर लग जाये। लगातर हो रही कार्यवाहियों से लोगो में काफी खुशी ब्याप्त है।

इसी तारतम्य में 22 सितंबर को जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में आबकारी एक्ट के तहत कुल 13 प्रकरण दर्ज कर 13 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। पूर्व 05 दिनों में कुल 132 आबकारी एक्ट के प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

कार्यवाही के दौरान शराब को अवैध रूप से अपने कब्जे में रखकर बिक्री करने, शराब का परिवहन करने, लोगों को शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने तथा सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने के मामले सामने आए। थाना कवर्धा पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 412/26, धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी चंदन पिता शेखराम साहू, उम्र 37 वर्ष, निवासी कांपा, थाना कवर्धा के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 2160 मिलीलीटर शराब एवं 960 रुपये जप्त किए गए।

थाना चिल्फी पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 20/26, धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी रामलाल पिता भगेल सकुलगड़िया, उम्र 26 वर्ष, निवासी लोहाराटोला, थाना चिल्फी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 2160 मिलीलीटर शराब, 960 रुपये तथा 320 रुपये बिक्री रकम जप्त की गई।

थाना पिपरिया पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 286/26, धारा 36(च)(1) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी मनोज पिता छोटूराम चंद्रवंशी, निवासी लखनपुर कला, थाना पिपरिया के विरुद्ध सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने के मामले में कार्यवाही की गई। पुलिस चौकी दशरंगपुर, थाना पिपरिया द्वारा अपराध क्रमांक 288/26, धारा 36(च)(1) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी रामसिंग पिता मन्नु यादव, उम्र 37 वर्ष, निवासी मरजापुर, थाना दाढ़ी, जिला बेमेतरा के विरुद्ध सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने के मामले में कार्यवाही की गई।

थाना कुण्डा पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 148/26, धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी संतोष पिता जुठेल चंद्राकर, उम्र 61 वर्ष, निवासी गुंढ़ेटा, थाना कुण्डा के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 1440 मिलीलीटर शराब, 640 रुपये एवं 230 रुपये बिक्री रकम जप्त की गई। पुलिस चौकी दामापुर, थाना कुण्डा द्वारा अपराध क्रमांक 149/26, धारा 34(1)(ख) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी लुमन भास्कर, उम्र 49 वर्ष, निवासी कंवलपुर, चौकी दामापुर, थाना कुण्डा के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 3060 मिलीलीटर शराब, 1360 रुपये एवं 160 रुपये बिक्री रकम जप्त की गई। थाना कुकदुर पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 66/26, धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी अजित पिता तिरथ धुर्वे, उम्र 21 वर्ष, निवासी कुई, थाना कुकदुर के विरुद्ध लोगों को शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में कार्यवाही की गई।

सेवा संकल्प अभियान में वन विभाग की पर्यावरण संरक्षण पहल

धमतरी। सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से प्रभावी और व्यापक स्वरूप देने के लिए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, धमतरी वनमंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता पर केंद्रित विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत 23 से 25 सितंबर तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पौधरोपण, प्लास्टिक मुक्त जागरूकता तथा नदी-घाट और जलस्रोतों की साफ-सफाई सहित विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

इस तीन दिवसीय अभियान का उद्देश्य केवल पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए जनसेवा, स्वच्छता और सामूहिक सहभागिता की भावना को मजबूत करना भी है।

पौधरोपण से होगी अभियान की शुरुआत

अभियान के पहले दिन 23 सितंबर को जिला, विकासखंड, ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर निर्धारित स्थलों में पौधरोपण किया जाएगा। इसके अंतर्गत अर्जनी तालाब धमतरी, अटल स्टेडियम कुरूद, भखारा स्टेडियम, वन विश्राम गृह नगरी एवं दुगली, वन परिसर सिंगपुर पंचायत तथा औद्योगिक वार्ड डिपो परिसर धमतरी में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके साथ ही चटौद, कोड़ापार और बगदेही में उद्यानों के शिलान्यास के अवसर पर पौधरोपण भी किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों को हरित एवं आकर्षक बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

स्वच्छता के साथ प्लास्टिक मुक्त धमतरी का संदेश

24 सितंबर को पर्यावरण स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त जागरूकता को केंद्र में रखते हुए मानव वन गंगरेल-मरादेव, नया तालाब कुरूद और डिपो परिसर धमतरी में विशेष अभियान चलाया जाएगा। नागरिकों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा स्वच्छ पर्यावरण के लिए सामूहिक प्रयास करने का संदेश दिया जाएगा।

अभियान के तीसरे दिन 25 सितंबर को जल संरक्षण एवं जलस्रोतों की स्वच्छता पर विशेष जोर रहेगा।

अधोसंरचना मद से आरसीसी रोड निर्माण में गुणवत्ताहीन सामग्री के इस्तेमाल का आरोप

पार्षद ने काम बंद कराकर जांच की उठाई मांग



पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद पंडरिया के वार्ड क्रमांक 17 में निर्माणाधीन अधोसंरचना मंद के आर सी सी रोड़ कार्य को लेकर गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वार्ड पार्षद संदीप साहू ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पंडरिया एवं मुख्य नगर पालिका परिषद पंडरिया को शिकायत पत्र सौंपकर निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों की अनदेखी और गुणवत्ताहीन निर्माण सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया है। पार्षद ने निर्माण कार्य को तत्काल बंद कराकर इसकी जांच कराने की मांग की है।

शिकायत पत्र के अनुसार वार्ड क्रमांक 17 के एस.एल.आर.एम. सेंटर से लेकर सुलभ शौचालय तक निर्माण कार्य ठेकेदार नर्मदा कंस्ट्रक्शन पंडरिया द्वारा कराया जा रहा है। पार्षद का आरोप है कि निर्माण में बेस में मिट्टी युक्त/रेत का उपयोग किया जा रहा है, जो निर्धारित प्राक्कलन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं बताई गई है।

पार्षद ने शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि उनके द्वारा निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर बार-बार रोकने के लिए कहा गया, इसके बावजूद कार्य बंद नहीं किया गया। इससे निर्माण की गुणवत्ता और संबंधित जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

बार-बार आपत्ति के बाद भी नहीं रुका काम

पार्षद संदीप साहू ने अधिकारियों से मांग की है कि निर्माण कार्य को तत्काल रोककर मौके पर इस्तेमाल की जा रही सामग्री की जांच कराई जाए। साथ ही निर्माण कार्य की तकनीकी गुणवत्ता, स्वीकृत प्राक्कलन और मौके पर किए जा रहे कार्य का मिलान कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए।

जांच के बाद ही सामने आएगी हकीकत

शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। ऐसे में अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि निर्माण में वास्तव में निर्धारित मापदंडों के विपरीत सामग्री का उपयोग पाया जाता है, तो जिम्मेदार ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई का सवाल भी उठ सकता है। वहीं, संबंधित ठेकेदार इंजीनियर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी की भुमिका ,,संदिग्ध रूप से स्प्ष्ट नजर आ रही है ।

इस निर्माण कार्य के सबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी यमन देवांगन से दूरभाष द्वारा संपर्क किया गया तो कार्य से सबंधित इंजीनियर को साईड में गये हुवे है जाने की बात कही गई है कार्य का निरक्षण करने बाद ही बता सकता हूं।

कायस्थ समाज महिला संगठन राजनांदगाव द्वारा तीज मिलन समारोह उत्साह पूर्वक मनाया गया



तीजा क्वीन,मेहंदी,चूड़ी सज्जा,गुजिया, कढ़ी तथा सरप्राइज गेम एवं भजन-संगीत आदि सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने दिखाया अपना हुनर

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। कायस्थ समाज राजनांदगांव महिला संगठन की ओर से तीज मिलन समारोह का भव्य आयोजन संयोजिका सुश्री उषा श्रीवास्तव के नेतृत्व में श्री चित्रगुप्त मंदिर प्रांगण ,जमात पारा राजनांदगाव में आयोजित किया गया।

सामाजिक एकजुटता, और महिला प्रतिभाओं को मंच देने वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं उत्साह के साथ शामिल हुईं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक एवं भजन संगीत की प्रस्तुतियों ने समारोह को खास बना दिया।

कार्यक्रम में कायस्थ महिला संगठन द्वारा श्रीमती अर्चना दास (कन्हा मंडल संयोजिका) एवं श्रीमती मोना गोसाई (समाज सेवी) को मुख्य अतिथि एवं प्रतियोगिता के लिये जज बनाकर आमंत्रित किया गया।

समारोह में आयोजित तीजा क्वीन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- श्रीमती तान्या श्रीवास्तव,द्वितीय स्थान- श्रीमती आकांक्षा श्रीवास्तव एवं तृतीय स्थान- श्रीमती मधुबाला श्रीवास्तव ने प्राप्त किया,मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- श्रीमती दिव्या श्रीवास्तव,द्वितीय स्थान - श्रीमती अलका श्रीवास्तव, तृतीय स्थान - श्रीमती शशिबाला श्रीवास्तव ने प्राप्त किया, चूड़ी सज्जा प्रतियोगिता में, प्रथम स्थान- श्रीमती चेताली श्रीवास्तव,द्वितीय स्थान - श्रीमती स्वपनील श्रीवास्तव, तृतीय स्थान-श्रीमती प्रीती खरे ने प्राप्त किया, गुजिया प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- श्रीमती नीता श्रीवास्तव,द्वितीय स्थान-श्रीमती मोना अनिल श्रीवास्तव,तृतीय स्थान - श्रीमती नीतू श्रीवास्तव ने प्राप्त किया इसी तरह कढी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - श्रीमती सुनीता वर्मा,द्वितीय स्थान - श्रीमती अलका श्रीवास्तव एवं तृतीय स्थान - श्रीमती प्रीति खरे ने प्राप्त किया। समारोह में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहीं।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिये संगठन के पदाधिकारियों, मातृ शक्ति, प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सहभागिता देने वाले समाज के समस्त सम्माननीय जनों के प्रति समाज के महिला संगठन की अध्यक्षा श्रीमती प्रतिमा अवनिंद्र लाला के द्वारा आभार प्रकट किया गया।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 199518/निविदा सूचना क्रमांक 04/बलेलि/2026-27, कवर्धा, दिनांक 18.09.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **09.10.2026** समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : कबीरधाम जिले के विकासखण्ड पण्डरिया की मोहपार जलाशय के शीर्ष कार्य, हेड स्लूस एवं वेस्ट वियर का जीर्णोधार कार्य एवं आर.बी.सी. मुख्य नहर के आर.डी. 660 मी. से 720 मी. तक एवं एल.बी. सी. मुख्य नहर के आर.डी. 1640 मीटर से 1730 मीटर तक, आर.डी. 2970 मीटर से 3120 मीटर तक, आर.डी. 3500 मीटर से 3660 मीटर तक रिमाडलिंग एवं सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग कार्य, 05 नग व्ही. आर.बी., 01 नग फॉल कम व्ही.आर.बी., 07 नग फॉल, 02 नग केनाल साईफन, 03 नग ड्रेनेज क्रासिंग, 02 नग आर. सी.सी. ओपन चौनल का पुर्ननिर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 263.47 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक **25.09.2026** समय **17:31** बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोटः- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयेत कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
कृते सुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)

जी- 262703474/3

एशियन गेम्स : मीराबाई चानू ने जीता सिल्वर मेडल



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ी चौथे दिन भारत के लिए मीराबाई चानू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। इससे पहले शूटिंग में मनु भाकर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह मेडल जीतने से चूक गई। एशियन गेम्स के चौथे दिन भारतीय निशानेबाजों (शूटर्स) का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। पुरुषों की स्कीट टीम (अनंतजीत सिंह नरुका, मैराज अहमद खान और भवतेघ सिंह गिल) और महिलाओं की स्कीट टीम माहेश्वरी चौहान, राइज़ा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल ने अपने शानदार प्रदर्शन से भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाए। अनंतजीत सिंह नरुका ने व्यक्तिगत फाइनल में भी अपनी जगह बनाई। हालांकि, 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत को थोड़ी निराशा हाथ लगी। महिला टीम मामूली अंतर से पदक से चूक गई और ओलंपिक मेडल विजेता मनु भाकर व्यक्तिगत फाइनल में अच्छा खेल दिखाने के बावजूद 5वें स्थान पर रहकर बाहर हो गईं। ज्ञानेश्वरी देवी ने महिलाओं की 53 किग्रा वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में कुल 195 किग्रा वजन उठाकर 8वां स्थान हासिल किया। लेकिन, यह मेडल जीतने के लिए काफी नहीं था।

रूट ने 34 साल की उम्र में किया संन्यास का ऐलान

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट से है खास रिश्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट के छोटे भाई बिली रूट ने 34 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। 14 साल के करियर के बाद बिली ने कहा कि अब जिंदगी के अगले अध्याय की ओर बढ़ने का समय आ गया है। वह ग्लैमॉर्गन के उन तीन बल्लेबाजों में शामिल हैं, जिनका पेशेवर क्रिकेट करियर इस सप्ताह समाप्त हो जाएगा। उनके साथ क्रिस कूके और कॉलिन इंग्राम भी संन्यास ले रहे हैं।



बिली रूट का अंतिम सीजन ज्यादा व्यस्त नहीं रहा। उन्होंने इस साल केवल दो काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले खेले और ग्लैमॉर्गन की सेकेंड XI टीम की कप्तानी भी की। क्लब ने 2026 सीजन के बाद उनके पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की है। इसके साथ ही सोफिया गार्डन्स में उनका आठ साल का सफर भी खत्म हो जाएगा।

अपने संन्यास की घोषणा करते हुए बिली रूट ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- दो शानदार क्लबों का प्रतिनिधित्व करना और चार ट्रॉफी जीतने वाली टीमों का हिस्सा बनना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है। वह खुद को बेहद भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें उस खेल को करियर बनाने का मौका मिला, जिसे बचपन से प्यार करते आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 14 सालों में काफी उतार-चढ़ाव आए, लेकिन वह कुछ भी नहीं बदलना चाहेंगे।

बिली ने लीड्स बेकेट यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने के बाद नॉटिंघमशायर के साथ पेशेवर क्रिकेट में कदम रखा था। वह 2017 में नॉटिंघमशायर की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने व्हाइट-बॉल क्रिकेट में डबल खिताब जीता था। इसके बाद 2019 में उन्होंने ग्लैमॉर्गन का रुख किया। क्लब के साथ उन्होंने दो वनडे कप खिताब जीते और पिछले साल टीम के काउंटी चैंपियनशिप के डिविजन वन में प्रमोशन का भी हिस्सा रहे।

बिली और जो रूट ने बचपन में शेफील्ड कॉलेजिएट क्रिकेट क्लब में साथ-साथ क्रिकेट खेला। दोनों भाइयों को 2013 में लॉर्ड्स में एक टेस्ट के दौरान भी मैदान साझा करने का मौका मिला था। उस समय बिली MCC यंग क्रिकेटर्स के लिए खेल रहे थे और उन्होंने इंग्लैंड के 12वें खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर फील्डिंग की थी।

2017 में एक इंटरव्यू के दौरान बिली ने माना था कि उन्हें कभी-कभी सिर्फ जो रूट के भाई के रूप में पहचाने जाने से परेशानी होती थी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि इससे मिलने वाले सकारात्मक अनुभव ज्यादा महत्वपूर्ण रहे। बिली रूट उन कई काउंटी क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिनके अनुबंध इस सप्ताह खत्म होने के साथ उनका खेल करियर भी समाप्त हो जाएगा।

जय मीणा ने एशियन गेम्स में बनाया नया रिकॉर्ड

सॉफ्ट टेनिस में भारत ने पहली बार जीता मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ी जय मीणा ने कमाल करते हुए सॉफ्ट टेनिस में देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता है। उन्होंने मेंस के सिंगल्स क्वार्टर-फाइनल मैच में फिलीपींस के शेरविन नुगुइट को 4-3 के करीबी अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें जापान के खिलाड़ी ताकुया कुरोसाका से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। चूंकि इस खेल में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल मिलना तय होता है, इसलिए जय मीणा ने सेमीफाइनल में हार के बावजूद ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। एशियन गेम्स 2026 का लाइव अपडेट्स आप यहां देख सकते हैं।

जय मीणा भारत के एक उभरते हुए सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी हैं। उन्होंने साल 2025 में एशियन सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा था और वे इस टूर्नामेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके बाद एशियन गेम्स 2026 में भी उनका शानदार खेल जारी रहा, जहां उन्होंने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान के खिलाड़ी को 4-0 से आसानी से हरा दिया। फिर पुरुषों के सिंगल्स सेमीफाइनल में पहुंचकर उन्होंने भारत के लिए सॉफ्ट टेनिस का पहला एशियन गेम्स मेडल पक्का कर दिया। लेकिन सेमीफाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

जय मीणा लगातार इंटरनेशनल लेवल पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने हांग्झू एशियन गेम्स में पुरुषों के सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया और टीम इवेंट में भी हिस्सा लिया। इसके बाद 2024 में आध्या तिवारी के साथ मिलकर उन्होंने वर्ल्ड सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप के मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। 2025 की एशियन सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगल्स में ब्रॉन्ज सहित कुल चार मेडल जीते और ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने। अब वे अपने तीसरे एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं, जिसकी बेहतर तैयारी के लिए उन्हें अहमदाबाद और जम्मू के नेशनल कोचिंग कैंप्स में ट्रेनिंग मिली थी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का किया सूपड़ा साफ, आर्यवीर सहवाग का बल्ला नहीं चला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा टीम ने ऑस्ट्रेलियाई टीम का तीन मैचों की सीरीज में सूपड़ा साफ कर दिया है। सीरीज के आखिरी मैच में भी भारत ने जबरदस्त खेल दिखाया और मैच को अपने नाम कर लिया है।

हालांकि इस मैच में भी आर्यवीर सहवाग का बल्ला उम्मीदों के मुताबिक नहीं चला, लेकिन टीम के कप्तान लक्ष्य राजेश रविचंदानी ने शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम सीरीज का एक भी मैच नहीं जीत पाई। सारे मैच में भारत ने करीब करीब एकतरफा अंदाज में जीते हैं।

भारत ने बड़ी आसानी से आखिरी मैच में हासिल किया टारगेट

भारत अंडर 19 और ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के बीच तीन मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। सीरीज के आखिरी मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 49.3 ओवर की बैटिंग कर 254 रन बनाए थे, इस दौरान पूरी टीम आउट हो गई।

कप्तान ने खेली तूफानी पारी



सलामी बल्लेबाज जैड हॉलिक ने 87 और नील पटेल ने 51 रनों की पारी खेली। भारत के सामने जीत के लिए केवल 255 रनों का लक्ष्य था, जिसे भारत ने हासिल कर लिया।

लक्ष्य राजेश ने बनाए नाबाद 110 रन, आर्यवीर सहवाग 34 रन बनाकर आउट

भारत की अंडर 19 टीम जब बल्लेबाजी के लिए उतरी तो कप्तान लक्ष्य राजेश और आर्यवीर सहवाग ओपनिंग के लिए आए। वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर से एक बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वे 31 बॉल पर 34 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने पांच चौके लगाए। हालांकि कप्तान राजेश एक छोर संभाले रहे। दूसरी ओर से उन्हें पहले कुशाग्र ओझा और फिर रजत बघेल का साथ मिला। इस दौरान राजेश ने 106 बॉल पर 110 रन बनाए और आखिर तक आउट भी नहीं हुए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 9 चौके और तीन छक्के लगाए।

सीरीज के तीनों मैच भारत ने जीते

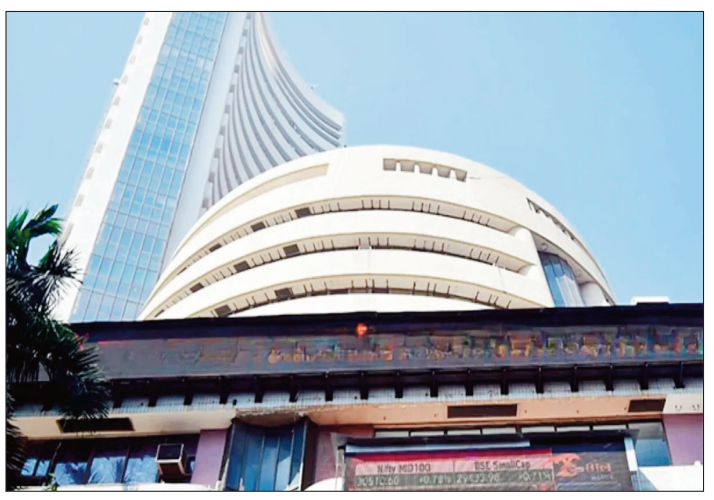
तीन मैचों की सीरीज का पहला मैच भारत ने सात रन से अपने नाम किया था, हालांकि ये मैच बारिश के कारण बाधित रहा और केवल 20 ही ओवर का मुकाबला हो पाया। इसके बाद दूसरा मैच भारतीय अंडर 19 टीम ने 103 रनों के बड़े अंतर से जीता था। इसके बाद तीसरा और आखिरी मुकाबला भारत ने 6 विकेट से अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की।

व्यापार

भारतीय शेयर बाजार में लौटी रफ्तार, सेंसेक्स-निफ्टी ने मारी छलांग

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए 23 सितंबर का दिन खुशियों भरा रहा। लगातार उतार-चढ़ाव देखने के बाद आज दलाल स्ट्रीट पर खरीदारों का दबदबा देखने को मिला। बाजार खुलते ही निवेशकों का उत्साह देखने लायक था और दिन का कारोबार खत्म होने तक मुख्य सूचकांक हरे निशान में मजबूती से डटे रहे। निफ्टी ने एक बार फिर 23,400 का अहम स्तर पार कर लिया, जबकि सेंसेक्स में भी लगभग 300 अंकों की तेजी दर्ज की गई।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 299.17 अंक यानी 0.40% की बढ़त के साथ 74,828.25 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 भी 117.80 अंक यानी 0.50% उछलकर 23,446.80 पर पहुंच गया। आज के कारोबार में बाजार का ट्रेंड काफी



पॉजिटिव रहा। शेयर बाजार में लगभग 2,674 शेयरों में बढ़त देखने को मिली, जबकि 1,531 शेयर लाल निशान में बंद हुए और 169 शेयरों के भाव बिना किसी बदलाव के स्थिर रहे। सेंसेक्स हीटमैप के अनुसार, आज का टॉप गेनर स्टॉक टाटा स्टील रहा, जो 3 प्रतिशत से ज्यादा उछाला।

निफ्टी 50 में इन शेयरों ने मचाया गदर

आज निफ्टी के टॉप गेनर्स में मेटल और फाइनेंस से जुड़ी कंपनियों का बोलबाला रहा। सबसे ऊपर बजाज फाइनेंस रहा, जो 3.41% की बढ़त के साथ ₹1,043.20 पर बंद हुआ। इसके बाद, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज (3.17%), टाटा स्टील (3.16%), अपोलो हॉस्पिटल्स (2.64%) और जेएसडब्ल्यू स्टील (2.43%) भी टॉप गेनर की लिस्ट में रहे।

आईटी सेक्टर में नरमी ये शेयर रहे फिसड्डी

जहां एक तरफ मेटल और बैंकिंग शेयर चमक रहे थे, वहीं आईटी और मीडिया सेक्टर में सुस्ती देखने को मिली। निफ्टी के टॉप लूजर्स में शामिल शेयरः

एचसीएल टेकः 1.08% फिसलकर ₹1,256.70 पर बंद हुआ।

इन्फोसिसः 0.86% गिरकर ₹1,020.50 पर आ गया।

कोल इंडियाः 0.81% की गिरावट के साथ ₹424.55 पर बंद।

टीसीएसः 0.73% गिरकर ₹2,089.60 पर बंद हुआ।

टाइटनः 0.98% की मंदी के साथ ₹4,880.00 पर आ गया।

मेटल और एफएमसीजी सेक्टर ने दिखाई ताकत

सेक्टर-वाइज प्रदर्शन की बात करें तो मेटल इंडेक्स में 2.4% की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी एफएमसीजी में 1.27% की बढ़त, निफ्टी रियल्टी में 1.06% की तेजी और निफ्टी पीएसयू बैंक 0.97% चढ़कर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी आईटी में 1.08% की गिरावट देखी गई।

90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आया कच्चे तेल का भाव

मुंबई (एजेंसी)। बुधवार को कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार छठे सेशन में गिरावट जारी रही। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई बातचीत से मिडिल ईस्ट में सप्लाई में आई बाधा में कमी आने होने की उम्मीद जगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों ने ईरानी प्रतिनिधियों के साथ बहुत प्रोडक्टिव मीटिंग की है और वे सोच रहे हैं कि बातचीत के जरिए कोई समझौता किया जाए या मिलिट्री एक्शन लिया जाए।

ऐसा माना जा रहा है डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते के आखिर में पर्शियन गल्फ के दूसरे नेताओं से भी मिलेंगे। एक ईरानी अधिकारी ने कहा कि अगर वॉशिंगटन ईरानी तेल एक्सपोर्ट को रोकने वाली नाकेबंदी हटाने की दिशा में कदम उठाता है, तो तेहरान 7 दिनों के अंदर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोल सकता है। इस बीच, सऊदी अरब अपनी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए एक्सपोर्ट फिर से शुरू करने पर काम कर रहा है, जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के अलावा एनर्जी सप्लाई का एक वैकल्पिक रास्ता है।

oilprice.com से मिले डेटा के मुताबिक, बुधवार को सुबह 09.40 बजे के आसपास WTI Crude का भाव 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89.38 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

केश किंग पेश करता है "स्कैल्प फर्स्ट"; हेयर केयर में अब सबसे पहले रक्खें स्कैल्प का ख्याल!



मुंबई (एजेंसी)। बालों के झड़ने, डैंड्रफ, रूखेपन, बालों के नुकसान और अन्य समस्याओं को दूर करने वाले हेयर-केयर प्रोडक्ट्स और ब्रांड्स की संख्या तो बाजार में लगातार बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद बालों की समस्याएँ उपभोक्ता के लिए एक बढ़ती हुई चिन्ता बनी हुई है। तो, इतने सारे समाधान होने के बावजूद भी समस्याओं से छुटकारा क्यों नहीं मिल रहा है? शायद हम समस्याओं की जड़ तक जाने के बजाय, सिर्फ़ ऊपर से उनका समाधान करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्कैल्प ही वह आधार है, जहाँ से स्वस्थ बालों की शुरुआत होती है । बालों की रोज़ की देखभाल में हम अक्सर इसे अनदेखा कर देते हैं। इस ज़रूरत को पूरा करने के लिए, ईमामी लिमिटेड के घराने की ओर से हेयर-केयर ब्रांड केश किंग पेश करते हैं स्कैल्प फर्स्ट - एक विशेष स्कैल्प-केयर रेंज, जिसे पुरुष और महिलाएं, दोनों ही इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे एक सरल सोच के आधार पर तैयार किया गया है: "पहले स्कैल्प के बारे में सोचें, खूबसूरत बाल अपने आप मिलेंगे।"

स्कैल्प सिर्फ़ एक सतह नहीं है जिस पर बाल उगते हैं। यह अपने आप में एक परिवेश है। इसका अपना ही प्राकृतिक pH बैलेंस है, जो कि एक स्वस्थ स्कैल्प परिवेश बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाता है। इस pH बैलेंस के बिगड़ जाने पर ही स्कैल्प पर अतिरिक्त तेल का जमाव, रूखापन, खुजली, फ्लेकिंग और असुविधा जैसी समस्याएँ होने की संभावना बढ़ सकती हैं।

भारत में लॉन्च हुई नई BMW 7 सीरीज रेंज

पेट्रोल और ऑल-इलेक्ट्रिक मॉडल्स के साथ प्रीमियम लग्ज़री का नया अनुभव, जिसमें अब तक की सबसे पावरफुल BMW 7 सीरीज़, नई BMW i7 M70 शामिल है



गुरुग्राम (एजेंसी)। BMW इंडिया ने देश में लंबे समय से इंतज़ार की जा रही नई BMW 7 सीरीज़ रेंज लॉन्च की। इसके साथ, BMW की यह फ्लैगशिप सेडान पेट्रोल और ऑल-इलेक्ट्रिक पावरट्रेन में उपलब्ध है। ऑल-इलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस मॉडल, BMW i7 M70 भी भारत में ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी, जो इसे अब तक की सबसे पावरफुल BMW 7 सीरीज़ बनाती है।

श्री हरदीप सिंह ब्रार, प्रेसिडेंट एवं CEO, BMW ग्रुप इंडिया ने कहा, "नई BMW 7 सीरीज़ हमारी फ्लैगशिप सेडान से कहीं बढ़कर है – यह BMW की आधुनिक लग्ज़री की संपूर्ण अभिव्यक्ति है। आज के दौर में भारत के समझदार ग्राहकों के लिए, लग्ज़री बेहद व्यक्तिगत होती है। उनकी इसी सोच को ध्यान में रखते हुए यह नई रेंज उन्हें एक विशेष पहचान के साथ आत्मविश्वास देती है, खूबसूरत और शांत स्पेस का अहसास कराती है। इसकी सहज टेक्नोलॉजी के साथ वे खुद तय कर सकते हैं कि वे कैसे ट्रैवल करना चाहते हैं। नई BMW 7 सीरीज़ और नई BMW i7 फर्स्ट-क्लास रियर-सीट के साथ BMW चलाने का आनंदमय अनुभव प्रदान करती है। इसके अलावा, नई BMW i7 को स्थानीय रूप से बनाया जाना भारत के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कदम के साथ लग्ज़री इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में हमारी लीडरशिप और मजबूत हो जाएगी।"

उन्होंने कहा, "नई BMW i7 M70 xDrive लाइनअप का सबसे बेहतरीन मॉडल है, जो इलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस एवं टॉप-टियर लग्ज़री के संयोजन द्वारा BMW को प्रीमियम EV मार्केट में सबसे ऊंचे स्तर पर ले जाता है। इसे खास तौर पर उन शौकीनों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपनी पसंद के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते। यह रेसट्रैक से प्रेरित M डायनामिक्स और ड्राइवर युक्त रिफाइनमेंट के बीच तालमेल बनाती है। इस हाई-परफॉर्मेंस पावरहाउस को अपने पोर्टफोलियो में टॉप पर रखते हुए, BMW ने सस्टेनेबल, अल्ट्रा-लग्ज़री मोबिलिटी में अपनी लीडरशिप को और मजबूत बना लिया है।"

नई BMW 7 सीरीज़ और नई BMW i7 को BMW ग्रुप प्लांट चेन्नई में स्थानीय रूप से बनाया जाएगा, जबकि नई BMW i7 M70 कम्प्लीटली बिल्ट-अप यूनिट (CBU) के रूप में उपलब्ध है। इसके साथ, जर्मनी के बाद भारत i7 का उत्पादन करने वाला दूसरा देश बन गया है।

ये कारें एक्स-शोरूम कीमत पर उपलब्ध हैं –

The new BMW 740 M Sport – INR 1,95,00,000

The new BMW i7 50 xDrive M Sport – INR 1,95,00,000

The new BMW i7 M70 xDrive – INR 2,65,00,000

नई BMW 7 सीरीज़ रेंज

नई BMW 7 सीरीज़ सेडान का डिज़ाइन

BMW के लग्ज़री-क्लास मॉडल्स और नई डिज़ाइन लैंग्वेज के लिए, न्यू क्लास की भावी स्टाइलिंग, शानदार मौजूदगी और विज़ुअल इम्पैक्ट का मेल लेकर आया है, जो क्लीन, रिड्यूस्ड और कैरेक्टरफुल है। एक्सटीरियर की बात करें तो आइकॉनिक BMW किडनी ग्रिल और स्वारोवस्की द्वारा बनाए गए डायमंड-कट ग्लास एलिमेंट्स से युक्त BMW क्रिस्टल हेडलाइट्स इसे बोल्ड स्टाइल देते हैं।

टाटा मोटर्स की गाड़ियां 1 अक्टूबर से महंगी होंगी

मुंबई (एजेंसी)। बालों के झड़ने, डैंड्रफ, रूखेपन, बालों के टाटा मोटर्स की गाड़ी खरीदने की तैयारी कर रहे ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। कंपनी ने 1 अक्टूबर 2026 से अपनी कमर्शियल व्हीकल रेंज की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। बढ़ी हुई कीमतों का असर मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अलग-अलग होगा। कंपनी के मुताबिक, यह फैसला बढ़ती कमोडिटी और अन्य इनपुट लागत के असर को कम करने के लिए लिया गया है। टाटा मोटर्स ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि 1 अक्टूबर 2026 से उसकी कमर्शियल व्हीकल रेंज की कीमतें 1% तक बढ़ाई जाएंगी। हालांकि, हर गाड़ी की कीमत में एक जैसी बढ़ोतरी नहीं होगी। कीमत में कितना इजाफा होगा, यह मॉडल और वेरिएंट पर निर्भर करेगा। यानी टाटा की कमर्शियल गाड़ी खरीदने वाले ग्राहकों को अक्टूबर से ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। कंपनी ने बताया कि कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और अन्य इनपुट कॉस्ट हैं।

भारतबाला की 'रामनामी' को सवश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

छत्तीसगढ़ के रामनामी समुदाय को राष्ट्रीय मंच पर मिली पहचान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुमू ने गुजरात के एकता नगर में आयोजित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में सम्मान प्रदान किया

रायपुर ■ दैनन्दिनी



फ़िल्मकार भरतबाला की डॉक्यूमेंट्री रामनामी, जो छत्तीसगढ़ के मध्य और उत्तरी क्षेत्रों में बसे रामनामी समुदाय का चित्रण करती है, ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में श्रेष्ठ वृत्तचित्र (Best Documentary) की श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के एकता नगर में, स्टैच्यू ऑफ यूनटी की तलहटी में आयोजित समारोह में भरतबाला को यह सम्मान प्रदान किया– जो दशकों में पहली बार है जब राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह नई दिल्ली से बाहर आयोजित हुआ।

भरतबाला की यह डॉक्यूमेंट्री इस समुदाय को गायक-संगीतकार कैलाश खेर की आवाज़ के साथ प्रस्तुत करती है, जिन्होंने "राम ही पार लगावेंगे" गीत के माध्यम से इसकी आत्मा को स्वर दया। यह सहयोग एक संयोग से शुरू हुआ – शूटिंग से पहले एयरपोर्ट पर हुई एक बातचीत के दौरान – और फिल्म का अभिन्न हस्सा बन गया। खेर का संगीत "बाहर राम, भीतर राम, मोरा रोम-रोम राम ही राम" की पंक्ति के माध्यम से उस भक्ति को अभव्यक्त करता है, जो समुदाय के अनुसार, उनके शरीर के हर कण में रची-बसी है।

"रामनामी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना मेरे लिए बेहद विनम्रता का क्षण है, लेकिन मैं इसे किसी फिल्म की नहीं, बल्कि उन लोगों और जीवंत परंपराओं की पहचान मानता हू जिन्होंने हमें अपनी दुनया में प्रवेश करने और अपनी कहानी कहने का अवसर दिया। रामनामी के माध्यम से हमें एक ऐसे समुदाय से मिलने का सौभाग्य मिला, जिनके लिए आस्था केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि वह कुछ है जिससे वे अपने शरीर पर, अपने जीवन में और अपनी पहचान में धारण करते हैं। उनकी कहानी भक्ति, संघर्षशीलता और असाधारण मानवीय गरिमा की कहानी है। मेरे लिए, वृत्तचित्र नमाण अंततः सुनने की कला है। यह उन आवाज़ों, स्मृतियों और जीवन शैलियों को संरक्षित करने के बारे में है जो हमारी सामूहिक चेतना का हिस्सा बने रहने योग्य हैं। यह राष्ट्रीय पुरस्कार सबसे पहले रामनामी समुदाय का है, और छत्तीसगढ़ के उन तमाम लोगों का है जिन्होंने अपनी कहानियां हम पर भरोसा करके साझा कीं।

छत्तीसगढ़ मेरे लिए खोज की एक असाधारण यात्रा रहा है। यहां की सांस्कृतिक विरासत विशाल, प्राचीन और अद्भुत रूप से जीवंत है। अपने काम के माध्यम से हमें बैगा जनजाति, ढोकरा कला, बाइसन हॉन मारया समुदाय, घोटुल परंपरा और सिरपुर की भव्य विरासत का फिल्मांकन करने का सौभाग्य मिला, जिससे संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ का सहयोग मिला, ये डॉक्यूमेंट्री अभी रिलीज़ के लिए तैयार हैं। इनमें से हर यात्रा ने उस सभ्यता के एक नए पहलू को उजागर किया , जो अपने लोगों, अपनी शिल्पकलाओं, अपने अनुष्ठानों, अपने संगीत और अपनी सामूहिक स्मृति के माध्यम से आज भी जीवंत है।" – भरतबाला गणपत, निर्देशक, रामनामी

यह फिल्म एक ऐसे दलित समुदाय की ओर राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करती है, जिनकी राम नाम के प्रति भक्ति उनकी त्वचा पर अक्षरशः अंकित है। उनकी कहानी लगभग 1890 में शुरू होती है, जब परसुराम भारद्वाज नामक एक दलित व्यक्ति को उनकी जात के कारण गांव के मंदिर में प्रवेश से वंचित कर दिया गया। इसके जवाब में उन्होंने अपने पूरे शरीर पर "राम" शब्द गुदवा लिया। उनके समुदाय ने भी यही राह अपनाई, यह संकल्प लेते हुए कि अब कोई भी उन्हें भगवान से दूर नहीं रख सकेगा। रामनामी समुदाय के लिए शरीर ही मंदिर बन जाता है – हर इंच पर पवित्र नाम अकित, बहिष्कार से जन्मी आस्था का एक अद्भुत और दृश्यात्मक रूप से प्रभावशाली प्रदशन।पछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर रामनामी समुदाय का सम्मान किया था।

भरतबाला के बारे में

भरतबाला गणपति एक भारतीय फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और निर्माता हैं, जिन्होंने सिनेमा, टेलीवज़न विज्ञापनों और वृत्तचित्रों के क्षेत्र में काम किया है। उन्होंने सबसे पहले राष्ट्रीय पहचान हासल की देशभिक्त गीतों वंदे मातरम् (1997) और जन गण मन (2000) से, जो उन्होंने अपने दीर्घकालिक सहयोगी ए.आर. रहमान के साथ मिलकर बनाए। उनकी पहली फीचर फिल्म हरि ॐ का प्रीमियर 2004 में टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुआ और इसने आठ ऑडयंस अवॉड जीते। इसके बाद आई समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म मरयन (2013), जिसमें धनुष और पावती ने अभिनय किया। उन्होंने 500 से अधिक विज्ञापन अभियानों का निदेशन भी किया है, जिनमें इनक्रेडबल इंडिया और स्कूल चलें हम शामिल हैं।

वर्चुअल भारत के बारे में

वर्चुअल भारत एक लघु वृत्तचित्र श्रृंखला है – भारत की अनकही कहानियां – जिससे फ़िल्मकार भरतबाला ने 15 अगस्त, 2019 को शुरू किया था। इस परयोजना का उद्देश्य 1,000 लघु फल्में बनाना है, जो भारत भर के आम लोगों, परंपराओं, कला और लोककथाओं को दशाती हैं।

ए.आर. रहमान, गुलज़ार और श्रेया घोषाल जैसे सहयोगियों के साथ, वर्चुअल भारत सिनेमाई कौशल को जमीनी स्तर की कहानी कहने के साथ जोड़ता है। इसका मशन सांस्कृ तक ज्ञान को संरक्षत करना और अक्सर अनदेखे रह जाने वाले समुदायों को उजागर करना है, जिससे यह "मानव कहानयों का सबसे बड़ा डिजटल भंडार" तैयार कर सके – भारत की अनंत पहचान का एक जीवंत, विकसित होता चित्रण।

सड़क को नुकसान पहुंचाने पर अब होगी कार्यवाही

– विकाश शुक्ला

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चिमरा-बरभांवर मार्ग निर्माण का किया गया निरीक्षण





कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कबीरधाम जिले में निर्माणाधीन ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परियोजना क्रियान्वयन इकाई, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, कवर्धा द्वारा चिमरा मेनरोड से बरभांवर मिडिल स्कूल मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का परीक्षण किया गया, जिसमें निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप पाया गया।

कार्यपालन अभियंता विकास कुमार कौशिक ने बताया कि पैकेज क्रमांक सीजी-09-134 के अंतर्गत स्वीकृत इस सड़क की कुल लंबाई 3.00 किलोमीटर है। सड़क निर्माण के लिए वर्ष 2023-24 में स्वीकृति प्रदान की गई है तथा अनुबंध राशि 218.18 लाख रुपए है। निर्माण कार्य मे. एन.सी. नाहर, दुर्ग द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सड़क के आर.डी. 0 मीटर से 653 मीटर तक सीसी सड़क, 653 से 863 मीटर तक बीटी सड़क, 863 से 967 मीटर तक सीसी सड़क तथा 967 से 1070 मीटर तक बीटी सड़क का कार्य पूर्ण है। आर.डी. 1070 से 1295 मीटर तक निजी भूमि की वजह से कार्य नहीं किया गया है। वहीं 1295 से 1534 मीटर तक डब्ल्यूबीएम जी-3 का कार्य पूर्ण पाया गया। आर.डी. 1534 से 1634 मीटर तक पूर्व पंचायत द्वारा निर्मित सीसी सड़क तथा 1634 से 3000 मीटर तक बीटी सड़क पाई गई।

निर्माण सामग्री एवं गुणवत्ता की हुई जांच

निरीक्षण के दौरान सड़क की गुणवत्ता की विस्तृत जांच की गई। आर.डी. 750 मीटर एवं 2480 मीटर पर डामर की मात्रा निर्धारित मानक के अनुरूप पाई गई। डामर को खोदकर निकालने पर बेस कोर्स में इमल्शन भी पाया गया। डब्ल्यूबीएम जी-3 की टॉप एवं बॉटम लेयर का ग्रेडेशन, कॉम्पैक्शन एवं मोटाई संतोषप्रद पाई गई।

इसी प्रकार जीएसबी के ग्रेडेशन, कॉम्पैक्शन एवं मोटाई तथा अर्थवर्क का कॉम्पैक्शन भी संतोषजनक पाया गया। सीसी सड़क की गुणवत्ता की जांच के लिए आर.डी. 120 मीटर, 550 मीटर एवं 880 मीटर पर तीन स्थानों से कोर काटकर परीक्षण किया गया। परीक्षण में प्राप्त परिणाम संतोषजनक पाए गए। निरीक्षण एवं परीक्षण के आधार पर संपादित निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पाया गया।

सड़क में कार्य प्रगतिरत है शेष कार्य को शीघ्र निर्धारित मानक अनुरूप कार्य कराए जाने हेतु ठेकेदार को निर्देशित किया गया।

सड़क को नुकसान पहुंचाने वालों पर होगी कार्रवाई

कार्यपालन अभियंता विकास कुमार कौशिक ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सड़क के आर.डी. 750 मीटर के पास कुछ लोगों द्वारा जानबूझकर डामरीकरण कार्य को उखाड़कर क्षतिग्रस्त किए जाने की जानकारी सामने आई। शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की इस घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है। निरीक्षण के दौरान गौरव त्यागी, सहायक अभियंता एवं अश्वनी ठाकुर, उप अभियंता, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, कवर्धा सहित ठेकेदार एवं ठेकेदार प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जब मंच पर अफसर बने कलाकार और गूंज उठीं तालियां... अंतिम प्रस्तुति ने खींचा सबका ध्यान



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में आयोजित एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम उस समय यादगार बन गया, जब विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और अभियंताओं की मौजूदगी में कला और संगीत का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने पूरे माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम में जहां कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया, वहीं अंतिम चरण में गरियाबंद डीएसपी गोपाल वैश्य की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में नया रंग भर दिया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पेंशनर संघ के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के पूर्व जिला संयोजक प्रदीप कुमार वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भोपाल राव पवार पॉलिटेक्निक महाविद्यालय रुद्री के पूर्व प्राचार्य लोकेंद्र सिंह कोमर्रा, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता रामेश्वर सिंह तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता विप्लव घृत लहरे की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के जिलाध्यक्ष संजीव कुमार गुप्ता ने की। इस अवसर पर संघ के कोषाध्यक्ष सुशांत कुमार त्रिपाठी, संरक्षक तारानाथ, संतोष कुमार साहू, नवीन कुमार चंद्राकर, उगेश कुमार मंडावी, इंद्रजीत सिंह कंवर, भगवान चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के अभियंता एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कलाकारों ने बांधा समां

सांस्कृतिक संध्या में अलग-अलग स्थानों से पहुंचे कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूनम वाजपेयी, राजनांदगांव की अदिति राज, ओडिशा के सुबोध फ्रेंक्लिन, रायपुर के उत्तम पवार, गरियाबंद के हरीश ठक्कर, विजय कुमार सिन्हा, राजिम के आशीष शिंदे, तरुणा पाण्डेय, नेमीचंद यादव, रूपेश शर्मा, हीरालाल साहू, मंगलमूर्ति सोनी, विनोद देवांगन, संजय महाणिक, दिनेश्वर साहू, आशीष ठक्कर, कांति साहू, ऋषि साहू, धनंजय हरित, चिंटू साहू, गौरव पटेल सहित अनेक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की प्रस्तुतियों के दौरान कार्यक्रम स्थल पर तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही। गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।

अंत में मंच पर आए डीएसपी, साइबर क्राइम से बचाव का दिया संदेश

कार्यक्रम के अंतिम चरण में गरियाबंद जिले के डीएसपी गोपाल वैश्य ने साइबर क्राइम से बचाव को लेकर जागरूकता संदेश प्रस्तुत किया। उन्होंने मनोरंजन के साथ साइबर अपराधों से सतर्क रहने और ऑनलाइन ठगी से बचने का संदेश दिया।

इसके बाद डीएसपी श्री वैश्य ने 'झुंझुन झुमरू' गीत की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। पुलिस अधिकारी की इस सांस्कृतिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम के माहौल को और भी खास बना दिया। कार्यक्रम में एक ओर जहां अभियंताओं एवं अधिकारियों की सहभागिता देखने को मिली, वहीं दूसरी ओर कला और सामाजिक जागरूकता का अनूठा मेल भी नजर आया। कार्यक्रम के समापन तक दर्शक प्रस्तुतियों का आनंद लेते रहे और कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे।

आकर्षक झांकी के साथ होगा नगर में गणेश विसर्जन, डिप्टी सीएम अरुण साव होंगे शामिल

आकर्षक झांकी व धुमाल में निकेलगी



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो) प्रथम पुज्य भगवान श्री गजानन स्वामी का 11 दिवसीय पर्व पूरे अंचल में धुमधाम से मनाया जा रहा है इसी तारतम्य में लोरमी क्षेत्र में जगह- जगह समितियों के द्वारा आकर्षक पण्डाल के साथ आंखो को मनमोह लेने वाले आकर्षक श्री गजानन स्वामी जी की बड़ी से छोटी मूर्तियों का समितियों के द्वारा विधि विधान के साथ मूर्ति स्थापित कर पुजा अर्चना किया गया। डिप्टी सीएम अरूण साव के द्वारा धार्मिक आयोजन व समितियों के उत्साहवर्धन के लिए समितियों के लिए ईनाम की राशि की घोषणा किये जिसमें पण्डाल, पण्डाल के आसपास सफाई, पण्डाल का संदेश पूर्ण स्वरूप, पुजा पद्धति एवं अनुशासन को देखते हुए दिया जाएगा। इस वर्ष भी 24 सितम्बर को शाम 6 बजे से गणेश झांकी प्रतियोगिता होगी जिसमें लोरमी विधायक, उप मुख्यमंत्री अरुण साव उपस्थित होकर सभी गणेश समितियों का स्वागत और उत्साहवर्धन करेंगे।

विजय शर्मा एवं अरूण साव आज करेंगे जिला मुख्यालय कवर्धा में 4 लेन सड़क एवं डिवाईडर निर्माण का भूमिपूजन





कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव गुरूवार 24 सितंबर को कृषि उपज मंडी परिसर कबीरधाम में आयोजित समारोह में कवर्धा शहर के विकास को नई रफ्तार देने वाली महत्वपूर्ण 4 लेन सड़क एवं डिवाईडर निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे। उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय कवर्धा में 54 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राज मार्ग क्रमांक 30 के किलो मीटर 50 से 57 तक 7.8 किलो मीटर का फोर लेन का उन्नयन एवं डिवाईडर निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से शहर के विकास नई रफ्तार मिलेगी। यह सड़क रायपुर मार्ग से बिलासपुर मार्ग तक, चंद्रयान हॉस्पिटल से कवर्धा शहर होते हुए जोराताल के आगे तक बनाई जाएगी। गुरूवार 24 सितंबर को नवीन कृषि उपज मंडी परिसर आयोजित भूमिपूजन समारोह के अवसर पर श्री सांसद श्री संतोष पांडेय एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे।

जिला प्रशासन द्वारा शहर के विकास को गति देने वाली इस महत्वपूर्ण कार्यो के भूमिपूजन समारोह को सफलता पूर्वक संपन्न करने हेतु सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसका निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से शहर में आवागमन सुगम होगा और नागरिकों के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस 4 लेन सड़क परियोजना के तहत दो स्थानों पर भव्य प्रवेश द्वार भी बनाए जाएंगे। इन प्रवेश द्वारों को कवर्धा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान यानी धर्मनगरी के स्वरूप के अनुरूप विकसित किया जाएगा। यह निर्माण कार्य कवर्धा के विकास की दिशा में यह निर्माण शहर की सुव्यस्थित यातायात व्यवस्था, सुंदरता और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण कदम होगा।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना ही इस सेवा का उद्देश्य है : विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री ने किया नि:शुल्क विशाल दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिस हाथ ने वर्षों से किसी का सहारा लिया, वही आज खुद गिलास उठाकर पानी पी रहा था। जिस पैर ने कभी साथ छोड़ दिया था, वही कृत्रिम पैर लगने के बाद बाइक चला रहा था। पीजी कॉलेज डोम कवर्धा में बुधवार को ये दृश्य सिर्फ एक शिविर की तस्वीर नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के जीवन में लौटती उम्मीद, बढ़ते आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत रही। इस बदलाव के बीच उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा दिव्यांगजनों के बीच पहुंचे और नि:शुल्क विशाल दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ करते हुए हितग्राहियों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर, सकल जैन समाज एवं भारतीय जैन संगटना (छत्तीसगढ़) और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित शिविर में करीब एक हजार दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ है।

उपकरण नहीं, आत्मनिर्भर जीवन की शुरुआत

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शिविर में दिव्यांगजनों से मुलाकात की और उन्हें कृत्रिम हाथ-पैर सहित विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए। शिविर में कृत्रिम हाथ-पैर, कैलिपर्स, ट्राइसाइकिल सहित जरूरत के अनुसार अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उपकरण प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने उनका उपयोग कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन भी किया। एक हितग्राही ने कृत्रिम पैर की सहायता से बाइक चलाकर दिखाई, वहीं एक अन्य उप मुख्यमंत्री ने किया नि:शुल्क विशाल दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभदिव्यांगजन ने कृत्रिम हाथ से पानी पीकर बताया कि यह सुविधा उसके दैनिक जीवन को किस तरह आसान बना सकती है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए आयोजित यह शिविर अद्भुत सेवा का उदाहरण है। जैन समाज सेवा कार्यों में हमेशा आगे रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कवर्धा में रहते हुए समाज को बहुत करीब से देखा है। जैन समाज के जीवन में एक ओर समृद्धि और सामाजिक दायित्व है, तो दूसरी ओर त्याग और सेवा की प्रबल भावना भी है। यही संतुलन समाज को सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि शिविर के लिए लगभग एक हजार दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ है। श्रवण, दृष्टि और अस्थि बाधित दिव्यांगजनों सहित जरूरत के अनुसार कैलिपर, कृत्रिम पैर, हाथ एवं अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपकरण केवल हाथ-पैर का सहारा नहीं हैं, बल्कि इनके मिलने के बाद व्यक्ति के जीवन में आने वाला बदलाव अधिक महत्वपूर्ण है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने एक दिव्यांगजन का उदाहरण देते हुए बताया कि बिजली के तार की चपेट में आने से उसके दोनों हाथ चले गए थे। शिविर में कृत्रिम हाथ मिलने के बाद उसने पहली बार अपने हाथ से पानी का गिलास उठाया। उन्होंने कहा कि उस समय उसके मन में क्या भाव रहे होंगे, इसे वही व्यक्ति समझ सकता है। कृत्रिम हाथ-पैर की कीमत से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि इनके मिलने से दिव्यांगजन के जीवन में कितना बदलाव आता है और उसका आत्मविश्वास कितना बढ़ता है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार वर्षों से कवर्धा में इस तरह के सेवा कार्य लगातार हो रहे हैं। उन्होंने भारतीय जैन संगठन, भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति, सकल जैन समाज और एनएसई फाउंडेशन के सहयोग की सराहना की। उन्होंने राजस्थान से आई विशेषज्ञ टीम द्वारा मौके पर ही कृत्रिम अंग तैयार करने की प्रक्रिया भी देखी।

बस्तर के दिव्यांगजनों तक भी पहुंचेगी यह सेवा

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी तरह के शिविर जगदलपुर और दंतेवाड़ा में भी आयोजित किए जाएंगे। बस्तर में आईईडी विस्फोटों के कारण दिव्यांग हुए लोगों को चिन्हांकित कर कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने की योजना पर काम किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों के माध्यम से ऐसे दिव्यांगजनों की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि उन्हें शिविर तक लाकर कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने कहा कि बस्तर के अंदरूनी गांवों में आईईडी विस्फोटों से दिव्यांग हुए लोगों को कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे दोबारा अपने पैरों पर खड़े हो सकें और आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि शिविर का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक पहुंचे, इसके लिए सभी लोग इसकी जानकारी अपने स्तर पर साझा करें। उन्होंने समाज, संस्थाओं और आयोजन से जुड़े सभी लोगों को सेवा कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन हैं, जिन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। दिव्यांगजनों को केवल सहायक उपकरण उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों से जोड़ना भी जरूरी है। रायपुर में दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास केंद्र तैयार किया जा रहा है, जहां विभिन्न ट्रेड के साथ डिजिटल मार्केटिंग और वित्तीय प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वरोजगार के लिए दिव्यांगजनों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था है तथा पात्र हितग्राहियों को ऋण पर अनुदान भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य दिव्यांगजनों को किसी पर निर्भर रहने वाला नहीं, बल्कि स्वाभिमान के साथ अपने परिवार और समाज को योगदान देने वाला बनाना है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, नगर पालिका परिषद कवर्धा के अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक अग्रवाल, भारतीय जैन संगटना राष्ट्रीय सचिव श्री पंकज लूकड़, प्रदेश अध्यक्ष श्री विजय गंगवाल, प्रदेश महासचिव सीए श्री विकास गोलछा, सकल जैन संघ कवर्धा के अध्यक्ष श्री नेमीचंद गोलछा, जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ कवर्धा के अध्यक्ष श्री खुशाल टाटिया, सकल जैन संघ कवर्धा के सचिव श्री अतुल देशलहरा तथा स्वास्थ्य एवं शिविर प्रोग्राम के प्रदेश प्रमुख डॉ. अतुल जैन सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना को दिल्ली में मिला हाईएस्ट शुगर रिकवरी का नेशनल अवॉर्ड

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने क्षेत्रवासियों, किसानों एवं कारखाना कर्मचारियों को दी बधाई

कवर्धा ■ दैनन्दिनी

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए "हाईएस्ट शुगर रिकवरी इन अदर एरिया" का नेशनल एफिशिएंसी अवॉर्ड प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ के लिए यह विशेष गौरव का अवसर है कि राज्य में पहली बार किसी सहकारी शक्कर कारखाने को इस श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15 जनपथ में नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन द्वारा वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए भव्य नेशनल एफिशिएंसी अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों के रूप में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर सहित विभिन्न राज्यों के सहकारिता मंत्री उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए।

नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन देश के सहकारी शक्कर कारखानों का राष्ट्रीय संगठन है, जिसमें विभिन्न राज्यों के स्टेट फेडरेशन तथा 260 से अधिक सहकारी शक्कर कारखाने सदस्य हैं। फेडरेशन सहकारी शक्कर कारखानों एवं उनसे जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषयों पर कार्य करता है। नीतिगत एवं तकनीकी विषयों पर भारत सरकार को सुझाव देने के साथ ही सहकारी शक्कर कारखानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना भी इसके प्रमुख कार्यों में शामिल है।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने किसानों की समृद्धि में शक्कर कारखानों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए शक्कर कारखानों के सह-उत्पादों के अधिकतम उपयोग और उनके वैल्यू एडिशन पर विशेष जोर दिया।

लगातार दो वर्षों के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान

समारोह में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा को वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए "हाईएस्ट शुगर रिकवरी इन अदर एरिया" का नेशनल अवॉर्ड केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे।

कारखाने की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार आयुक्त सहकारिता, छत्तीसगढ़ श्री रमेश शर्मा (IAS), सहकारिता विभाग के ओएसडी श्री युगल किशोर, कारखाने के प्रबंध संचालक, महाप्रबंधक एवं इंजीनियर द्वारा संयुक्त रूप से ग्रहण किया गया।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने हर्ष व्यक्त करते हुए इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए क्षेत्रवासियों, कारखाने से जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है।

उल्लेखनीय है कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा स्थापना के समय से ही क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कारखाना गन्ना उत्पादक किसानों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गन्ना विकास, उन्नत कृषि तकनीक, प्रशिक्षण एवं किसान कल्याण की विभिन्न गतिविधियों का संचालन भी कर रहा है।



उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में विगत दो वर्षों की प्रमुख उपलब्धियां

1. लगभग 5 हजार नए गन्ना किसानों को कारखाने की सदस्यता

गन्ना उत्पादक किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए कई वर्षों बाद कारखाने में गन्ना आपूर्ति करने वाले लगभग 5 हजार नए गन्ना उत्पादक किसानों को शेयर प्रदान कर कारखाने की सदस्यता दी गई। इससे बड़ी संख्या में नए किसान सीधे कारखाने की सहकारी व्यवस्था से जुड़े हैं।

2. शेयरधारक किसानों को रियायती दर पर शक्कर

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा शेयरधारक किसानों को रियायती दर पर शक्कर उपलब्ध कराने का यह लगातार तीसरा वर्ष है। योजना के अंतर्गत शेयरधारक किसानों को 30 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर से 50 किलोग्राम शक्कर उपलब्ध कराई जाती है।

3. जैविक खाद के लिए रियायती दर पर प्रेसमड

कारखाने से जुड़े शेयरधारक गन्ना किसानों को जैविक खाद के रूप में उपयोग के लिए प्रेसमड भी रियायती दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को 1,000 रुपये प्रति ट्रैक्टर की रियायती दर पर प्रेसमड दिया जाता है।

4. गन्ना किसानों के लिए शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण

गन्ना किसानों को आधुनिक एवं उन्नत गन्ना उत्पादन तकनीकों से परिचित कराने के लिए कारखाना समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। किसानों को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में अध्ययन एवं प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है।

इसके अंतर्गत किसानों को गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे तथा कृषि विज्ञान केंद्र, बारामती जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में गन्ने की



उन्नत खेती की तकनीकों का प्रशिक्षण दिलाया जाता है। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न हिस्सों से गन्ना उत्पादन एवं अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों को सेमिनार तथा क्षेत्रीय अध्ययन के लिए आमंत्रित किया जाता है।

5. उन्नत प्रजाति के गन्ना बीज एवं पौध का रियायती दर पर वितरण

क्षेत्र में गन्ने की उत्पादकता एवं गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कारखाना गन्ना विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे सहित महाराष्ट्र के प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों से उन्नत प्रजाति के गन्ना बीज एवं पौध मंगाकर किसानों को रियायती दर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इस वर्ष कारखाने के प्रयास से लगभग 1,000 एकड़ क्षेत्र में नई एवं उन्नत प्रजातियों के गन्ने का रोपण कराया गया है। इसके साथ ही कारखाना परिसर की उपलब्ध अतिरिक्त भूमि में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में डेमोंस्ट्रेशन प्लॉट विकसित किए गए हैं, जहां उन्नत गन्ना प्रजातियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इससे स्थानीय किसान नई प्रजातियों के उत्पादन एवं परिणामों को प्रत्यक्ष रूप से देखकर उन्हें अपनाने के संबंध में निर्णय ले सकेंगे।

6. कर्मचारी एवं श्रमिक कल्याण की पहल

कारखाने से जुड़े कर्मचारियों एवं श्रमिकों के कल्याण के लिए भी विभिन्न पहल की गई हैं। श्रम विभाग के सहयोग से कारखाना परिसर में मुख्यमंत्री श्रम अन्न योजना के अंतर्गत कैंटीन स्थापित की गई है, जहां श्रमिकों को मात्र 5 रुपये प्रति थाली की दर से गर्म भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

इसके अतिरिक्त शासन के निर्देशानुसार कर्मचारियों एवं श्रमिकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच के लिए समय-समय पर हेल्थ चेकअप कैंप एवं अन्य कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार से गन्ना उत्पादक किसानों और कर्मचारियों का बढ़ा उत्साह

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के प्रबंधक श्री जी एस शर्मा ने बताया कि-" लगातार दो वर्षों के लिए हाईएस्ट शुगर रिकवरी का राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने से भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना से जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में बहुत ही उत्साह है।

रायपुर स्टेशन की पार्किंग व्यवस्था बदलाव

आरक्षण केंद्र के पास नहीं

एक्सप्रेस-वे के पास रखे जाएंगे वाहन



रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर रेलवे स्टेशन के शहर साइड में चल रहे कार्यों के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए पार्किंग व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। आरक्षण केंद्र के पास स्थित दोपहिया वाहन पार्किंग स्थल को एक्सप्रेस-वे के पास स्थानांतरित किया जा रहा है।

यात्रियों की सुविधा के लिए रायपुर स्टेशन के शहर साइड में एक्सप्रेसवे के पास दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आरक्षण केंद्र के समीप वर्तमान दोपहिया पार्किंग स्थल को निर्माण कार्यों के लिए खाली किया जा रहा है। रेलवे द्वारा यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि पार्किंग स्थल के स्थानांतरण के बाद अपने दोपहिया वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें। यात्री स्टेशन परिसर अथवा अन्य अनधिकृत स्थानों पर अपने वाहन पार्क करने से बचें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों की सुविधा के लिए गुढ़ियारी छोर पर भी पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। शहर साइड में गेट नंबर 01 के पास प्रीमियम दरों पर पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए उपलब्ध पार्किंग व्यवस्था के अंतर्गत दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग शुल्क की दरें लागू हैं। निर्धारित शुल्क में जीएसटी भी शामिल है।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल में ही खड़ा करें तथा पार्किंग शुल्क की निर्धारित दरों के अनुसार ही भुगतान करें। वाहन पार्क करते समय प्राप्त रसीद को सुरक्षित रखें और किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर 139 , रेल वन ऐप पर रेल मदद, संबंधित पार्किंग कर्मी/ रेलवे स्टाफ से संपर्क करें। स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

सड़क किनारे सब्जी व्यापारियों को हटाने पहुंची निगम टीम, जमकर हुआ हंगामा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

नगर निगम रायपुर क्षेत्र के भाठागांव बाजार के पास सड़क किनारे सब्जी बेचने वाले व्यापारियों और निगम टीम के बीच लगातार विवाद की स्थिति बन रही है. अतिक्रमण और अव्यवस्थित बाजार व्यवस्था के खिलाफ निगम की कार्रवाई का भारी विरोध किया जा रहा है. बुधवार सुबह भी निगम के अधिकारी-कर्मचारी और व्यापारी आमने-सामने आ गए. भारी विरोध के दौरान गाली-गलौज और मारपीट का आरोप है. निगम अधिकारी-कर्मचारियों को चोटें आई हैं. साथ ही शासकीय कार्य में भी बाधा पहुंची. घटना के बाद निगम के राजस्व विभाग के अधिकारी की ओर से पुरानी बस्ती थाने में लिखित शिकायत दी गई. इसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है.

घटना के बाद इलाके में गहमा-गहमी देखने को मिली, जिसके चलते मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है. व्यापारियों का आरोप है कि बाजार हटाने पहुंची निगम की टीम ने उनके साथ मारपीट और धक्कामुक्की की. उन्होंने निगम कर्मचारियों से कहा कि थोड़ा धैर्य रखें, वे खुद अपना सामान हटा रहे हैं. लेकिन निगम की टीम सामान हटाने को लेकर अड़ी रही और इसी दौरान उनके साथ धक्कामुक्की और मारपीट हुई.

जानकारी के मुताबिक, सड़क किनारे दुकान हटाने की कार्रवाई में गुंजा सोनकर, छवीलाल सोनकर, वासु सोनकर समेत अन्य लोगों



ने विरोध शुरू किया. इस दौरान गाली-गलौज और मारपीट की गई. हमले में निगम टीम के अधिकारी-कर्मचारियों घायल हुए हैं. हालांकि व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने किसी सरकारी कर्मचारी के मारपीट नहीं की है.

सब्जी व्यापारियों का कहना है कि रोजी-रोटी के लिए वह भाठागांव बाजार पर निर्भर हैं. वह कई सालों से यहां सब्जी बेचने के लिए आते हैं. सुबह करीब 3 बजे से बाजार लगाने के लिए पहुंचते हैं. अगर उन्हें यहां से हटाया जाता है, तो वे आखिर कहां जाएं?

स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ प्रभारी बनाए जाने पर सीएम साय ने दी बधाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी



भाजपा की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर स्मृति ईरानी और नवनियुक्त सह-प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू को भी शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन द्वारा स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ की प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने पर वह उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी का दीर्घकालिक राष्ट्रीय अनुभव, राष्ट्रसेवा और संगठन के प्रति समर्पण छत्तीसगढ़ में भाजपा के संगठन तथा जनसेवा के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के सह-प्रभारी की जिम्मेदारी मिलने पर सिद्धार्थ शम्भू को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ शम्भू की सक्रिय सहभागिता से संगठनात्मक कार्यों को और गति मिलेगी।

परंपरागत गौपालन को आधुनिक तकनीक का साथ, राजनाथ ने खड़ा किया सफल डेयरी व्यवसाय

सेवा की कहानी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पीढ़ियों से चले आ रहे गौपालन को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों से जोड़कर लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत दोरना निवासी राजनाथ यादव ने इसे सफल डेयरी व्यवसाय का रूप दिया है। पशु चिकित्सा विभाग के मार्गदर्शन में कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार और बेहतर पशु प्रबंधन को अपनाकर उन्होंने अपने डेयरी व्यवसाय को विस्तार दिया है। आज उनकी डेयरी में 40 से 50 गायों से प्रतिदिन करीब 300 से 350 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है और यह परिवार के लिए नियमित एवं मजबूत आजीविका का साधन बनी है।

राजनाथ यादव बताते हैं कि उनके परिवार में उनके पिता के समय से ही गौपालन किया जाता रहा है। पहले परिवार स्थानीय नस्ल की गाय और भैंस पालता था। समय के साथ उन्होंने पशुपालन में आधुनिक तकनीकों को अपनाने का निर्णय लिया और एचएफ नस्ल की गायें खरीदीं। इसके बाद पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से उन्नत नस्ल के सीमन से कृत्रिम गर्भाधान कराना शुरू किया। इसका परिणाम यह हुआ कि अब उनके डेयरी फार्म में ही बेहतर नस्ल की बछिया तैयार हो रही हैं। इससे उन्हें डेयरी के विस्तार के लिए बार-बार बाहर से गाय खरीदने की आवश्यकता कम हुई है।

राजनाथ बताते हैं कि उन्नत नस्ल की बछिया तैयार होने और पशुओं के बेहतर प्रबंधन से उनकी डेयरी की क्षमता बढ़ी है। वर्तमान में उनके पास लगभग 40 से 50 गायें हैं, जिनसे प्रतिदिन 300 से 350 लीटर तक दूध का उत्पादन हो रहा है। इससे परिवार को नियमित आमदनी मिल रही है। राजनाथ के अनुसार डेयरी व्यवसाय से उन्हें सालाना लगभग 10 से 12 लाख रुपये तक का मुनाफा हो रहा है।



राजनाथ बताते हैं कि पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी समय-समय पर उनके पशुओं की देखरेख के लिए पहुंचते हैं। पशुओं के स्वास्थ्य, नस्ल सुधार और कृत्रिम गर्भाधान से संबंधित आवश्यक जानकारी और तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जाता है। विभागीय सहयोग से बेहतर नस्ल की बछिया तैयार करने और डेयरी व्यवसाय को आगे बढ़ाने में उन्हें मदद मिली है।

राजनाथ को उन्नत किसान के रूप में सम्मान भी मिला है, जिससे उनका उत्साह और बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पशुधन विकास और डेयरी गतिविधियों को मिल रहे प्रोत्साहन से पशुपालकों के लिए आजीविका के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। उन्होंने पशुधन विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही पशु चिकित्सा विभाग द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत राजनाथ यादव की 'सेवा की कहानी' बताती है कि परंपरागत गौपालन में आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों को अपनाकर आजीविका को नया स्वरूप दिया जा सकता है। उन्नत नस्ल, कृत्रिम गर्भाधान, बेहतर पशु प्रबंधन और विभागीय मार्गदर्शन के सहारे राजनाथ ने गौपालन को अपने परिवार के लिए व्यवस्थित और लाभकारी डेयरी व्यवसाय में बदल दिया है।

नेवता भोज में दिखी सामाजिक समरसता की मिसाल, एक साथ बैठे बैगा पुजारी, जनप्रतिनिधि और अधिकारी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में सामाजिक सहभागिता और समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'नेवता भोज' का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत मल्टीपर्पस स्कूल पेंड्रा के असेंबली हॉल में आयोजित नेवता भोज में आयुर्वेद दिवस पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर एवं कार्यशाला में शामिल बैगा पुजारियों, ग्रामीणजनों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने एक साथ बैठकर सामूहिक रूप से भोजन किया। सामूहिक भोज के इस आयोजन ने समानता, अपनत्व और सामाजिक एकजुटता का सकारात्मक संदेश दिया।

नेवता भोज के दौरान जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, बैगा पुजारियों और ग्रामीणों ने एक साथ भोजन कर सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत किया। एक ही पंक्ति में साथ बैठकर भोजन करने की यह पहल सामाजिक दूरी को कम करने और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद एवं आत्मीयता बढ़ाने का माध्यम बनी।

कार्यक्रम में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, कलेक्टर श्री विजय दयाराम के., पुलिस अधीक्षक श्री मनोज खिलारी, वनमंडलाधिकारी श्री कुमार निशांत, जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, बैगा पुजारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल



हुए। नेवता भोज की विशेषता यह रही कि इसमें समाज के विभिन्न वर्गों ने बिना किसी भेदभाव के एक साथ बैठकर भोजन किया। इससे आपसी अपनत्व और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने के साथ यह संदेश भी गया कि सामूहिक सहभागिता से सामाजिक समरसता को और मजबूत किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान बैगा पुजारियों एवं ग्रामीणजनों की सहभागिता ने आयोजन को स्थानीय सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से भी जोड़ा। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ उनके सामूहिक रूप से भोजन करने से संवाद और सहभागिता का वातावरण बना। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने सामाजिक सद्भाव और एकजुटता को मजबूत करने वाले ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत आयोजित नेवता भोज का उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता की भावना को बढ़ावा देना है। सेवा संकल्प अभियान के साथ आयोजित इस कार्यक्रम ने इस उद्देश्य को सामाजिक संवाद और सामूहिक सहभागिता के माध्यम से सामने रखा।

नेवता भोज के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि समाज की वास्तविक शक्ति आपसी सहयोग, सम्मान, समानता और सहभागिता में निहित है। जब जनप्रतिनिधि, अधिकारी, बैगा पुजारी और ग्रामीण एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, तो यह केवल भोजन का आयोजन नहीं रहता, बल्कि आपसी विश्वास और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करने का अवसर बन जाता है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह नेवता भोज सामाजिक समरसता, सामुदायिक भावना और जनभागीदारी को बढ़ावा देने वाली पहल के रूप में सामने आया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com